mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-94 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
06 अप्रैल 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

ओडिशा में बढ़ा आरक्षण का दायरा: एससी-एसटी और ओबीसी छात्रों को मिलेगा अधिक लाभ

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा सरकार ने राज्य में सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के लिए चिकित्सा और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण के कोटे में वृद्धि की है। यह फैसला शनिवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटी छात्रों के लिए कोटा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 22.50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह एससी छात्रों के लिए आरक्षण आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 16.25 प्रतिशत किया गया है। ओडिशा में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (एसईबीसी) के रूप में पहचाने जाने वाले ओबीसी छात्रों के लिए राज्य सरकार ने 11.25 प्रतिशत का आरक्षण भी शुरू किया है।

कहां-कहां लागू होगा फैसला? यह नई आरक्षण व्यवस्था राज्य भर के विश्वविद्यालयों, उनसे संबद्ध कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, चिकित्सा, सर्जरी, दंत चिकित्सा, नर्सिंग, फार्मेसी, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, मनोचिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, कृषि और संबद्ध विज्ञान, वास्तुकला, योजना और सिनेमाई कला जैसे

विभिन्न क्षेत्रों में लागू होगी। साथ ही राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अन्य पाठ्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री प्रदान करने में भी इस नई आरक्षण प्रणाली का पालन किया जाएगा।

जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण :मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य में एसटी आबादी 22 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद लंबे समय से तकनीकी, व्यावसायिक, चिकित्सा और संबद्ध पाठ्यक्रमों में उनके लिए आरक्षण केवल 12 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि अब इसे उनकी जनसंख्या के अनुपात के अनुसार बढ़ाया गया है।

सीटों की संख्या में वृद्धि :फैसले के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की कुल 2,421 स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटों में से 12 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर एसटी छात्र केवल 290 सीटें ही सुरक्षित कर पाते थे। हालांकि, उनके कोटे को 22.5 प्रतिशत तक बढ़ाने के बाद, अब 545 एसटी छात्र चिकित्सा सीटें सुरक्षित कर पाएंगे। इसी प्रकार, एससी राज्य की आबादी का 17 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं, लेकिन उनके लिए केवल आठ प्रतिशत आरक्षण था। पहले आरक्षित श्रेणी के तहत केवल 193 एससी छात्र ही सीटें प्राप्त कर पाते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 393 हो जाएगी। राज्य की कुल 44,579 इंजीनियरिंग सीटों में से, एसटी के लिए सीटों की संख्या 5,349 से बढ़कर 10,030 हो जाएगी। एससी के लिए यह संख्या 3,566 से बढ़कर 7,244 हो जाएगी, और पहली बार, एसईबीसी छात्रों के लिए 515 सीटें आरक्षित की जाएंगी।

शंकराचार्य बोले-मोहन भागवत शादी कर बच्चे क्यों नहीं पैदा करते

विपक्ष के समर्थन के सवाल पर कहा- जो हमारी सुनेगा, उसके साथ खड़े हो जाएंगे

बरेली, एजेंसी। 'हमने तो कहा था कि मोहन भागवत और उनके प्रचारक आएं, विवाह करें, बच्चे पैदा करें, जनसंख्या बढ़ाएं। एक तरफ सरकार कह रही है कि जनसंख्या विस्फोट हो रहा। दूसरी तरफ, ये लोग जनसंख्या बढ़ाने की बात करते हैं। अगर संख्या बढ़नी इतनी जरूरी है तो आप शादी करके बच्चे पैदा क्यों नहीं करते। दूसरों पर बोझ क्यों लादते हो। पहले खुद करो, फिर दूसरों से कहो।' शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने रविवार को बरेली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बातें कहीं। वे ऋस्र् प्रमुख के 3 बच्चे पैदा करने वाले बयान से जुड़े सवाल पर जवाब दे रहे थे। दरअसल, भागवत कई बार कह चुके हैं कि हिंदुओं के लिए तीन बच्चे पैदा करना जरूरी हैं। पिछले महीने मथुरा दौरे पर भी भागवत ने कहा था- डॉक्टर मानते हैं कि अगर किसी परिवार में तीन संतान होती हैं तो माता-पिता और बच्चों के सेहतमंद होने की संभावना बढ़ जाती है। जैसा कि मानस शास्त्र कहता है कि घर में तीन बच्चे होने पर वे बड़े होकर बेहतर और संतुलित व्यक्तित्व के बनते हैं। आपसी झगड़े-टकराव भी कम होते हैं।

भारी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर केंद्र सतर्क, प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ होगी बैठक : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

कृषि मंत्रालय के अनुसार, मंत्री शिवराज सिंह चौहीन ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन जरूरी है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान की जा सके।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आज बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में फसल क्षति का विस्तृत आकलन कर राहत और मुआवजे के उपायों पर निर्णय लिया जाएगा।

ईरान बोला- अमेरिकी रेस्क्यू मिशन में शामिल विमान गिराया, लापता एयरमैन की तलाश कर रहा था

अमेरिका बोला- स्पेशल ऑपरेशन चला दो पायलट सुरक्षित निकाले

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान ने रविवार को दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल C-130 कैटेगरी का एक विमान मार गिराया। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि यह विमान इस्फहान के दक्षिणी इलाके में लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश में लगा हुआ था।

यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ देर पहले ही ट्रम्प ने घोषणा की है कि लापता एयरमैन को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो F-15E लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद

लापता हो गए थे।

उन्होंने कहा, 'हमने उसे बचा लिया। पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक को अंजाम दिया।'

इससे एक दिन पहले उसी मिशन में एक और अमेरिकी पायलट को बचाया गया था। दूसरे ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया ताकि दूसरे एयरमैन की लोकेशन खतरे में न पड़े।

ईरान ने ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम ठुकराया

ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चे: देशभर में 14 साल तक के 45 हजार भिखारी; राजस्थान दूसरे नंबर पर

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की मानें तो देशभर में 14 साल से कम उम्र वाले सिर्फ 45 हजार 296 बच्चे ही ऐसे हैं, जो भिक्षावृत्ति में लिप्त पाए गए। उसमें भी उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 10 हजार बच्चे भीख मांगते पाए गए, जबकि दूसरे नंबर पर राजस्थान है, जहां इन बच्चों की संख्या सात हजार से अधिक है। यह जानकारी 2011 की जनगणना के आधार पर दी गई है। राज्य सभा में एक अतारांकित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी गई है।

राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने बताया कि आंकड़े भारत के महारजिस्ट्रार की वेबसाइट की सूचना पर आधारित है। ऐसे बच्चों के पुनर्वास की योजना 23 अक्टूबर, 2023 में शुरू की गई

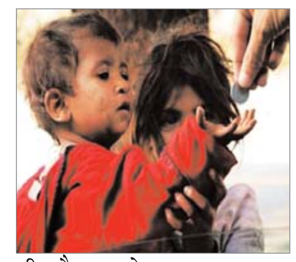

थी और तब से अब तक 2653 बच्चों का पुनर्वास किया गया है। इनमें 1507 बच्चों को उनके माता-पिता अथवा परिवारों से मिलवाया गया।

वहीं, 305 बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ा गया। 206 बच्चों को बाल कल्याण समिति को सौंपा गया है। साथ ही 625 बच्चों को स्कूलों में नामांकन की सुविधा प्रदान की गई है। सरकार ने कहा कि विभाग पहले से ही भिक्षावृत्ति के कार्य में लिप्त व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वास के लिए योजना चला रहा है। जिसमें बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में इस समय नए कानून अथवा योजना चलाने की आवश्यकता नहीं है।

दो केंद्रशासित प्रदेशों में एक भी भिखारी नहीं

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि केंद्र शासित प्रदेश दादरा-नगर हवेली और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक भी बच्चा भिक्षावृत्ति में लिप्त नहीं पाया गया। वहीं, लक्ष्यद्वीप और सिक्किम में एक-एक, मिजोरम में छह, दमन और दीव में आठ और पुदुचेरी में नौ बच्चे ऐसे कार्यों में लिप्त पाए गए।

झारखंड समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट अप्रैल के पहले हफ्ते में तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव

इससे राजस्थान-म.प्र.में ओले गिरेंगे

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून, एजेंसी। देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40डिग्री के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35डिग्री से कम या आसपास है। इसका कारण है लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस)। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मार्च-अप्रैल में अमूमन इतने ज्यादा विक्षोभ नहीं बनते। इनका असर उत्तर भारत में देखने को मिलता है। इस बार इनकी पोजिशन उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में है। इसे अरब सागर के साथ बंगाल की खाड़ी से भरपूर नमी मिली और जमकर आंधी-बारिश हुई।

अकेले मार्च में देश पर 8 पश्चिमी विक्षोभों का असर पड़ा, जबकि सामान्य तौर

पर यह संख्या 5 या 6 होती है। 13 मार्च से अब तक 6 पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। 6 अप्रैल को एक नया सिस्टम बनेगा। इसका असर आज से शुरू हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

सुप्रीम कोर्ट: साक्षरता बढ़ी, कई पहल हुए लेकिन घरेलू हिंसा नहीं रुकी

यह रोग ग्रस्त सामाजिक व्यवस्था का संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घरेलू हिंसा जैसी प्रथाएं अपवाद नहीं बल्कि एक रोगग्रस्त सामाजिक व्यवस्था का संकेत हैं। देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रत्यक्ष आंकड़े एक चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि भारत ने महत्वपूर्ण आर्थिक विकास, साक्षरता में वृद्धि और शिक्षा एवं कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का अनुभव किया है, फिर भी पितृसत्ता ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजमर्रा की जिंदगी का एक अभिन्न अंग बनी हुई है। जस्टिस संजय करोल व जस्टिस

एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि संविधान समानता, लिंग के आधार पर गैर-भेदभाव और जीवन एवं स्वतंत्रता के अधिकार का वादा करता है, लेकिन ऐसे मामले दर्शाते हैं कि इतने वर्षों बाद भी, संविधान में निहित अधिकार कई लोगों के लिए अभी भी दूर हैं। अदालत ने कहा कि कानूनी सुधारों के साथ-साथ, राज्य ने कल्याणकारी और सामाजिक परिवर्तन योजनाओं और कार्यक्रमों में निवेश किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएं लैंगिक असमानता को दूर करने और लड़कियों की शिक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई हैं, जबकि सुकन्या समृद्धि योजना और उज्ज्वला योजना जैसी पहलों का लक्ष्य महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा बढ़ाना और उनके जीवन स्तर में सुधार करना है।

पीएम मोदी बोले:

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका: ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

कोलकाता/ चेन्नई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि TMC के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा।

PM मोदी ने कहा- 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी उसी की याद दिलाना चाहती है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।

- **ये लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे** :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी TMC ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे पश्चिम बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। 1905 में मजहबी ताकतों ने बंगाल में लाल इश्तेहार जारी किया था। उसके बाद हिंदुओं का नरसंहार किया गया था। टीएमसी हमें उसी की याद दिलाना चाहती है। आपको भूलना नहीं है कि यहां निर्मम सरकार में खुलेआम धमकी दी जा रही है। ये खास मजहब के लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे।
- **मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास, निष्पक्ष चुनाव होंगे** :PM मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए। बीजेपी को वोट देकर परिवर्तन पर मुहर लगाइए। मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास है कि इस बार निष्पक्ष चुनाव होगा।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है।

उन्होंने संदेशखाली जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया।

मुख्यमंत्री के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई, एक दिन जनता से मांगेंगे माफी : राहुल गांधी

बिश्वनाथ, एजेंसी। लोकसभा सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के बिश्वनाथ में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और एक दिन ऐसा आएगा जब उन्हें असम की जनता के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगनी पड़ेगी।

अपने भाषण की शुरुआत में राहुल गांधी ने असम की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि श्रीमंत शंकरदेव, अजान फकीर, जुबीन

गर्ग और तरुण गोगोई की है। उन्होंने कहा कि जुबीन गर्ग ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया और कभी किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि असम को एटीएम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य की जमीन उद्योगपतियों जैसे गौतम अडानी और बाबा रामदेव को दी जा रही है, जबकि यह जमीन असम के लोगों और किसानों की है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जब चाहें प्रधानमंत्री मोदी का राजनीतिक करियर खत्म कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नरेन्द्र मोदी और अमित शाह पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए।

राहुल गांधी ने भाजपा पर छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के वादे को पूरा न करने का भी आरोप लगाया।

असम में भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या, चुनावी हिंसा का आरोप

चराईदेव (असम), एजेंसी। असम में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही हिंसा की घटनाएं बढ़ती नजर आ रही हैं। इसी कड़ी में चराईदेव जिले से एक भयावह घटना सामने आई है, जहां एक भाजपा कार्यकर्ता की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि मृतक की पहचान खूदकन बोरा के रूप में हुई है, जो चुनाव प्रचार में जुटे थे। आरोप है कि जय भारत पार्टी के समर्थकों ने उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, जय भारत पार्टी के समर्थक तिलेश्वर मुर्मू पर इस हत्या को अंजाम देने का आरोप लगा है। घटना के बाद सोनारी विधानसभा क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोनारी के विधायक धर्मेश्वर कोंवर ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता को रास्ते में रोककर पीट-पीटकर हत्या अस्वीकार्य है।

3 साल की बच्ची से गैंगरेप ब्लीडिंग से हालत नाजुक

- **पटना में चाचा ने घर से उठाया ; प्राइवेट पार्ट को दांत से काटा, शरीर पर चोट के निशान**

पटना, एजेंसी पटना के परसा बाजार में 3 साल की दलित बच्ची से गैंगरेप का मामला सामने आया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपियों में बच्ची का चाचा भी शामिल है। पुलिस ने बच्ची के चाचा और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। इन दरिंदों ने मासूम के साथ न सिर्फ रेप किया, बल्कि उसके साथ बर्बरता भी की। बच्ची की चीख को दबाने के लिए बदमाशों ने उसके प्राइवेट पार्ट को दांत से काटा।

बच्ची के चेहरे, पीठ और नाजुक अंगों पर गहरे जख्म हैं। पूरे शरीर पर मारपीट के नीले निशान हैं। लहूलुहान और बेसुध बच्ची को एम्स पटना के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

गिरफ्तार चाचा की उम्र 22 साल है। वह शादीशुदा नहीं है। वहीं दूसरे आरोपी जितेंद्र की सात साल की बेटी है। दोनों स्मैकियर हैं।

दोनों की गिरफ्तारी हो चुकी है और दो की भूमिका संदिग्ध है। जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस इस मामले में सभी आरोपितों का डीएनए टेस्ट कराएगी।

गैंगरेप मामले में एक दिव्यांग युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल से खून से सने कपड़े और सबूत जुटा लिए हैं। पॉक्सो एक्ट समेत संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

वायु प्रदूषण का हाल जानने लखनऊ से आई टीम ने जाना पौधरोपण का हाल

बरेली, एजेंसी। वायु प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शहर में कराए गए कार्यों को परखने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तीन सदस्यीय वैज्ञानिक टीम ने शनिवार को शहर का निरीक्षण किया। लखनऊ से आई इस टीम ने नगर निगम की ओर से कराए जा रहे कार्यों की हकीकत परखी। सराय तल्फी में पुराने डलावघर के स्थान पर मियावाकी पद्धति से विकसित किए गए शहरी वन की सराहना की और इसके विस्तार का निर्देश दिया। इसे वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में बेहतर प्रयास बताया। टीम ने सौ फुटा रोड पर चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान धूल पर नियंत्रण के लिए अपनाए जा रहे मानकों को परखा और जरूरी निर्देश किए। बाकरगंज स्थित मुख्य डलावघर में पुराने कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया भी देखी। कचरा प्रबंधन के आधुनिक तरीकों और उनके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया। शासन की ओर से प्रदूषण नियंत्रण मद में जारी की गई धनराशि के उपयोग की भी जांच की। अब टीम आगामी कार्रवाई के लिए शासन और केंद्रीय बोर्ड को अपनी रिपोर्ट देगी।

बेहतर है बरेली की रैंकिंग : वायु प्रदूषण नियंत्रण के मामले में शहर की रैंकिंग देश और प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में काफी बेहतर रही है। इसमें और सुधार के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। पर्यावरण अभियंता राजीव कुमार राठी ने बताया कि वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए नगर निगम दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहा है। केंद्रीय टीम ने भविष्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। शहर में हरित पट्टी का विस्तार और कूड़ा निस्तारण की वैज्ञानिक पद्धति प्राथमिकता में है। निरीक्षण के बाद वैज्ञानिकों का दल लखनऊ लौट गया।

रोहतक जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया

गाजियाबाद, एजेंसी। 11वीं ऑल इंडिया राजपति मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर स्पोर्ट्स सन ट्रॉफी में रोहतक रोड जिमखाना ने टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब को सात विकेट से हराया। रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टेलीफुंकेन क्रिकेट क्लब ने 40 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 240 रन बनाए। टेलीफुंकेन के सौरभ देसवाल ने सर्वाधिक 45 रन, नमित ने नाबाद 39 रन और भारत सिंधवानी ने 33 रन का योगदान दिया। जवाब में रोहतक रोड जिमखाना की टीम ने 25.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। रोहतक रोड जिमखाना के श्रेष्ठ यादव ने 57 गेंदों में 127 रन की तूफानी पारी खेली। इसके अलावा दक्ष ड्राल ने 41 रन, ध्रुव कौशिक ने 33 रन और नैतिक माथुर ने नाबाद 28 रन बनाए। टेलीफुंकेन की ओर से आयुष कुमार ने दो विकेट चटकाए। मैच जिताऊ पारी के लिए श्रेष्ठ यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

बैंक ने 32 लाख रुपये नहीं लौटाए तो तहसील पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी

गाजियाबाद, एजेंसी। श्रीनगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक डॉ. एसके शर्मा ने बैंक खातों से निकाले गए 32 लाख रुपये लौटाने की मांग करते हुए शनिवार को परिवार समेत तहसील पर प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र ही उनकी रकम नहीं लौटाई गई तो उनके पास आत्मदाह के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मजबूरन वह तहसील मुख्यालय पर आत्मदाह करेंगे। डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि उज्जीवन बैंक में उनके दो खाते हैं। लगभग डेढ़ महीने पहले उनके बैंक खातों से 32 लाख रुपये निकाल लिए गए। आरोप है कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से उनके खातों से रकम निकाली गई। उन्होंने बैंक के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिया था और घटना की प्राथमिकी भी दर्ज कराई। जानकारी मांगने पर बैंक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। उनकी बेटी का रिश्ता तय हो चुका है। उन्होंने सवाल किया कि रकम नहीं होने के कारण वह बेटी की शादी कैसे करें। उन्होंने चेताया कि अगर बैंक ने उनकी रकम नहीं लौटाई तो वह तहसील पर आत्मदाह करेंगे। उपजिलाधिकारी अजीत सिंह ने उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिया।

हाईवे पर चार वाहनों की भिड़त, 12 घायल

मेरठ, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सोलाना गांव के सामने शुक्रवार देर रात चार कार आपस में टकरा गई। हादसे में कार सवार 12 लोग चोट लगने से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। शताब्दी नगर निवासी विशाल वर्मा ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ विकास, शकुंतला और आर्यन के साथ शाहदरा से शादी से वापस लौट रहे थे। सोलाना गांव के पास वे लघुशंका करने के लिए गाड़ी रोककर खड़े थे। उनके पास में ही एक अन्य कार खड़ी खड़ी थी। इसी बीच दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहे रास्ते पर तेज रफ्तार आर्टिगा कार ने दोनों कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद आर्टिगा कार अनियंत्रित होकर हवा में उछली और आगे चल रही वैगनार कार में भी पीछे से जा घुसी। हादसे के बाद आर्टिगा कार हाईवे के बीचों-बीच पलट गई। आर्टिगा के चालक की पहचान जितेंद्र के रूप में हुई है। सड़क हादसे में गुरुग्राम निवासी रोहित कटारिया, दीपांशु, जतिन और प्रतिभा भी घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एनएचएआई की पेट्रोलिंग टीम व एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। राहगीरों ने किसी तरह कार सवार लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के चलते हाईवे पर लंबा जाम लग गया। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू कराया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि जांच में सामने आया है कि आर्टिगा कार चालक को झपकी लग गई थी। फिलहाल कोई तहरीर नहीं आई है तहरीर आने पर जांच कर कार्रवाई की

सेंट्रल मार्केट में भू उपयोग परिवर्तन के बाद शुरू हुआ नामांतरण

मेरठ , एजेंसी। सेंट्रल मार्केट में 80 भूखंड स्वामियों को शमन के आदेश जारी हुए हैं। इसके तहत भू उपयोग परिवर्तन और नामांतरण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। व्यापारियों को निर्माण के सामने दस फुट जगह खाली छोड़नी होगी। उन्हें व्यावसायिक गतिविधियों के लिए 36 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर शुल्क देना होगा। अब तक 60 करोड़ रुपये से अधिक शुल्क जमा हो चुका है। संपत्ति प्रबंधक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि यह प्रक्रिया शासन के निर्देश पर शुरू हुई है। वास्तुविद नियोजक ने व्यावसायिक व मिश्रित उपयोग के लिए सशर्त अनुमति दी है। एक भवन का नामांतरण मधु गर्ग से अशोक व राजेश माहेश्वरी के पक्ष में हुआ है। इस तरह के मामलों में 30 दिन के भीतर आपत्ति मांगी गई है। आपत्ति के बाद नामांतरण प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पुलिस लाइन स्वास्थ्य केंद्र पर एचपीवी वैक्सीन का शुभारंभ

मेरठ, एजेंसी। पुलिस लाइन स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को एचपीवी टीकाकरण शुरू किया गया। बालिकाओं खुशबू, परिधि, मानवी और लक्ष्मी को पहला टीका लगाया गया। यह अभियान उन बालिकाओं के लिए है जिनकी आयु आधार कार्ड के अनुसार 14 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और वे 15वें वर्ष में प्रवेश कर रही हैं। टीकाकरण के बाद सभी लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम में लाभार्थियों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह दिखा। पुलिस लाइन स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अंकुर त्यागी ने अभिभावकों से 14 वर्ष की बालिकाओं का अधिक टीकाकरण कराने की अपील की। इससे उन्हें गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाया जा सकेगा।

नोएडा अस्पताल सिरिंज घोटाला:

चंद घंटों की जांच में डेटा ऑपरेटर पर फोड़ा ठीकरा, उठे गंभीर सवाल

नोएडा, एजेंसी। जिला अस्पताल में जानवरों की सिरिंज मंगवाने के मामले में कार्यवाहक सीएमएस ने नाकामी छिपाने के लिए चंद घंटों में जांच पड़ताल कर समिति की जो रिपोर्ट जिलाधिकारी के पास भेजी है, उसमें कई सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे पहले यह कि तीन डॉक्टरों की समिति ने पूरे प्रकरण में बरती लापरवाही का ठीकरा केवल डेटा ऑपरेटर पर फोड़कर खानापूर्ति की है।

दूसरा यह है कि समिति के एक जांच अधिकारी की दिसंबर 2025 में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव से शिकायत हो चुकी है। तो क्या उन्होंने जांच सही तथ्यों पर की हुई होगी ? यही नहीं, समिति ने पोर्टल पर ऑर्डर अप्रूव करने वाले प्रमुख व्यक्ति की लापरवाही क्यूं नहीं मानी ? फिलहाल, सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष ने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस मुद्दे पर सरकार को घेरा है। चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने निरीक्षण कर वेटनरी सिरिंज मंगवाने जैसे गंभीर प्रकरण में जांच समिति की रिपोर्ट दैनिक के पास है।

इसमें लिखा है कि कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अजय राणा के निर्देश पर 3 अप्रैल को तीन सदस्यों की जांच समिति गठित की गई, जिसमें डॉ. राहुल वर्मा, डॉ. अरविंद मलिक और डॉ. पंकज त्रिपाठी हैं। आश्चर्य की बात है कि समिति ने जेम पोर्टल पर गलत ऑर्डर देने का पूरा ठीकरा आउटसोर्स एजेंसी के कर्मचारी योगेश कुमार पर फोड़ दिया।

मगर टीम ने उस अहम बिंदु को छोड़ दिया, जिसमें ऑर्डर देने की प्रक्रिया से लेकर सामान आने तक जो सदस्य निगरानी करते हैं। उनके बयान दर्ज किए और न ही कोई सवाल पूछकर जांच रिपोर्ट में शामिल किया। सवाल है कि चंद घंटे में तैयार हुई जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर को भेजकर आला अधिकारी से लेकर जैम पोर्टल की समिति के सदस्यों ने भी नाकामी छिपाने का काम नहीं किया है

● लखनऊ के एक शीर्ष अधिकारी से हाटलाइन पर हो गई डील! : शनिवार को अस्पताल में इस बात की चर्चा जोरों पर थी कि बड़े चिकित्सक ने प्रकरण में अपनी कुर्सी बचाने के लिए लखनऊ के शीर्ष अधिकारी से हाटलाइन पर डील पक्की कर ली है। बीती रात में अलग-अलग समय पर हुई वार्ता के बाद चिकित्सक को संपूर्ण सुरक्षा का आश्वासन मिलने से वह चिंतामुक्त हैं।

सूत्र बताते हैं कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों पर अपने हिसाब से खंडन बनवाकर भी लखनऊ में उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस हाइवोल्टेज मामले को शांत करने के लिए लखनऊ में बैठे उच्च अधिकारी के घर पर संपर्क किया गया था।

● विशेष सचिव के निरीक्षण से पहले दिया गया ऑर्डर : बता दें कि जिला अस्पताल में सरकारी जेम पोर्टल पर 25 दिसंबर को जानवरों की सिरिंज मंगाने का ऑर्डर दिया गया था। उसके अगले दिन ही चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी ने निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की थी। अव्यवस्था पर भड़कते हुए उन्होंने बाल रोग विभाग, जनरल और ऑनलाइन ओपीडी में डाक्टरों को बिना संसाधन मरीजों की जांच करते देखकर अस्पताल प्रबंधन को भगवान भरोसे चलने वाला तक कह दिया था। वहीं मरीजों की भीड़ देखकर अधिकारियों से कड़े सवाल पूछकर व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया था। इसी बीच खोड़ा के सौराज सिंह ने विशेष सचिव से जिला अस्पताल में आंखों का गलत आपरेशन कर तीन-तीन लैंस लगाने का आरोप लगाया था।

सपा अध्यक्ष ने कसा सरकार पर तंज

सपा नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने सोशल मीडिया पर जानवरों की सिरिंज मंगवाने के प्रकरण में दैनिक में प्रकाशित खबरों को अपलोड कर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा है, अब यूपी में जनता की कीमत कुछ नहीं रही। नोएडा जैसे हाइटेक शहर में जब घोटाले और लापरवाही चरम पर है तो सोचिए पूरे प्रदेश का हाल होगा कार्यवाहक सीएमएस पिछले एक साल से, लगातार घोटाले, पोस्टमार्टम और पार्किंग के बहाने पैसे लेने, ट्रेनी डॉक्टर से ट्रीटमेंट, टेंडर में ही घोटाला, वो भी जनता की जान से खिलवाड़ करके। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से कार्रवाई करने की बात कही है।

आम से चेहरे के पीछे जासूस तो नहीं? जासूसी नेटवर्क के बाद अलर्ट, गाजियाबाद में पुलिस को मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

गाजियाबाद, एजेंसी। कौशांबी में हाल ही में उजागर हुए जासूसी नेटवर्क से पता चला कि किस तरह आतंकियों ने युवाओं को रुपयों का लालच देकर अहम ठिकानों की जासूसी कराई है। इससे भविष्य में इन स्थानों के आसपास आम आदमी के वेष में घूमने वाले आतंकियों के मोहरों की पहचान करना अहम हो गया है। इन घटनाओं के बाद से देश के महत्वपूर्ण और सामरिक ठिकानों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

लॉन्च किया गया ट्रेनिंग प्रोग्राम : केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) अब आतंकियों से महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की जासूसी के प्रयासों को नाकाम करने और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कमला नेहरू नगर स्थित सीडीटीआइ में 10 अप्रैल से शुरू होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के 25 पुलिस अधिकारी भाग लेंगे। इनमें दारोगा से लेकर डिप्टी स्तर तक के अधिकारी शामिल होंगे।

प्रशिक्षण का विषय आतंक और अहम ठिकानों की सुरक्षा है। कौशांबी, हापुड़, बिजनौर और लखनऊ में पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ में सामने आया है कि आतंकी बड़े पैमाने पर आम लोगों को रुपयों का लालच देकर संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटवा रहे हैं। ऐसे में पुलिस बल को न केवल सतर्क रहने बल्कि संदिग्ध गतिविधियों को पहचानने के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता है। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को सिखाया जाएगा कि आम नागरिक के भेष में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कैसे की जाए, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी कैसे बढ़ाई जाए और सूचना तंत्र को कैसे मजबूत किया जाए। इसके अलावा आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र के बेहतर इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। आने वाले समय में इस तरह के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पुलिस बल को नई चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। सीडीटीआई में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना है, ताकि बदलते सुरक्षा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

बिजली बिल अपडेट के नाम पर गाजियाबाद की डॉक्टर से दो लाख की ठगी, आप न करें ऐसी गलती

गाजियाबाद, एजेंसी। साइबर अपराधियों ने वेव सिटी निवासी महिला डॉक्टर से बिजली का बिल अपडेट करने के नाम पर दो लाख रुपये ठग लिए। उनके पास 31 मार्च को एक व्यक्ति ने फोन कर स्वयं को बिजली विभाग से बताया और कहा कि उनका बिल अपडेट नहीं है। कनेक्शन कटने से बचने के लिए उन्हें एक एप भेजा जा रहा है। एप डाउनलोड कर फार्म भरें और 50 रुपये की फीस चुका दें उनका बिल अपडेट हो जाएगा। डॉ. आभा मित्तल ने ठग की बातों में आकर भेजे गए लिंक के जरिए एप डाउनलोड कर 50 रुपये शुल्क के नाम ट्रांसफर भी कर दिए। इसके बाद उनका मोबाइल ठग ने हैक कर लिया। कई बार में उनके खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए गए। मामले में परेशान होकर पीड़िता ने वेव सिटी थाने में मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज कराया है। इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी के कहने पर कोई एप डाउनलोड न करें। साथ ही अपनी गोपनीय जानकारी जैसे बैंक डिटेल और ओटीपी शेयर करने से बचें।

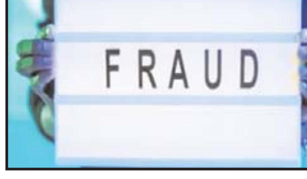

भारत-चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाने का आह्वान, रूस के प्रमुख थिंक टैंक ने की अपील

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन समर्थित रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) के नव निर्वाचित अध्यक्ष ने रूस के दो एशियाई रणनीतिक साझेदारों भारत और चीन के बीच सकारात्मक संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया है। वैश्विक मामलों के जानेमाने विशेषज्ञ डॉ. दिमित्री ट्रेनिन ने एक अप्रैल को प्रतिष्ठित विचार मंच आरआईएसी का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने के बाद प्रेस को दिए गए अपने पहले साक्षात्कार में ये बातें कहीं।प्रमुख दैनिक कोमर्सेंट में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में ट्रेनिन ने कहा, हमें अपने रणनीतिक साझेदारों चीन और भारत के बीच सकारात्मक संतुलन को बढ़ावा देना चाहिए ताकि अमेरिकी या कोई अन्य भारत का इस्तेमाल चीन के खिलाफ और इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से हमारे खिलाफ न कर सके। हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी चीन स्वाभाविक रूप से हमारी ओर से सबसे करीब से ध्यान दिए जाने का पात्र है। इस पर व्यवस्थित रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। यही बात भारत पर भी लागू होती है जिसके बारे में हमारी सकारात्मक, हालांकि अब भी कुछ हद तक सतही धारणा है। सोवियत-रूसी सेना के सेवानिवृत्त कर्नल 70 वर्षीय ट्रेनिन का संबंध अमेरिका-रूस के बीच परमाणु और अंतरिक्ष हथियार वार्ताओं से रहा है।

उन्होंने आरआईएसी के अध्यक्ष के रूप में अपनी योजनाओं के मूल सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा, हम एक संप्रभु राष्ट्र हैं, हम किसी के दबाव में नहीं आएंगे। हम दुनिया को बिखरने नहीं देंगे। उन्होंने मौजूदा समय को उथल-पुथल भरा और नाटकीय बताया। उन्होंने 1994 में कार्नेगी मॉस्को सेंटर में काम शुरू किया था।

पाकिस्तान में त्राहिमाम: पेट्रोल-डीजल महंगा, ट्रांसपोर्ट और माल भाड़ा 65प्रतिशत तक बढ़ा; आवाम पर महंगाई की दोहरी मार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई ने अब आम जनता की कमर तोड़ दी है। हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद देशभर में यात्री और माल ढुलाई (फ्रेट) किराए में 20 से 65 प्रतिशत तक की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (ऱक्क) प्रांत में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने के भीतर ईंधन और ट्रांसपोर्ट किराए में दो बार बदलाव किए गए, जिससे हालात और भी गंभीर हो गए हैं। ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों ने न सिर्फ परिवहन व्यवसायियों को प्रभावित किया है, बल्कि आम यात्रियों के लिए सफर करना भी मुश्किल बना दिया है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट ओनर्स एसोसिएशन खैबर पख्तूनख्वा के प्रांतीय अध्यक्ष खान जमान अफरीदी ने कहा कि ईंधन कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि ने हालात को असहनीय बना दिया है। उन्होंने बताया कि मार्च की शुरुआत में किराए में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन अप्रैल 2026 में पेट्रोल में 137.24 प्रति लीटर और डीजल में 184.49 प्रति लीटर की वृद्धि ने स्थिति और बिगाड़ दी है।

ट्रांसपोर्ट और माल भाड़ा 65% तक बढ़ा :पेशावर में हुई संयुक्त बैठक के बाद ट्रांसपोर्ट संगठनों ने अंतर-जिला और अंतर-प्रांतीय रूट्स के लिए किराए में 25 प्रतिशत की अतिरिक्त बढ़ोतरी को मंजूरी दी। वहीं, पंजाब में यात्री किराए में पहले ही 65 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। सिर्फ यात्री ही नहीं, बल्कि माल ढुलाई क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं है। पाकिस्तान गुड्स ट्रांसपोर्टर्स ओनर्स एसोसिएशन ने फ्रेट चार्ज में 65 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का एलान किया है, जिससे बाजार में सामान की कीमतें और बढ़ने की आशंका है। ट्रांसपोर्टरों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि ये फैसले बिना किसी परामर्श के अचानक लागू किए गए, जिससे अक्सर ऑपरेटर्स और जनता के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है।

डीजल की कीमत 500 पार :इस फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। अवामी नेशनल पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इसे शर्मनाक और जनविरोधी कदम बताया है। उनका कहना है कि मौजूदा कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के बजाय टैक्स और सरकारी नीतियों का परिणाम हैं। उधर, सरहद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है। संस्था का कहना है कि पेट्रोल की कीमत 458.40 और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 520.35 प्रति लीटर तक पहुंचने से औद्योगिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ेगा और महंगाई और बढ़ेगी।

तेहरान पर हमले में कई ईरानी अधिकारी मारे गए’, धमकियों के बाद ट्रंप का एक और बड़ा दावा, समझिए कैसे बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 38वें दिन में प्रवेश कर रहा है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा सामने आया है। उन्होंने कहा कि तेहरान में हुए एक बड़े हमले में ईरान के कई सैन्य अधिकारी मारे गए हैं।ट्रंप ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर किए गए पोस्ट के जरिए कही। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें धमाकों और लड़ाकू विमानों की आवाजें सुनाई देती हैं।

हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि हमला किन ठिकानों पर हुआ और कितनी क्षति हुई। अभी तक ईरान की ओर से भी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में हमले में कितने बड़े अधिकारी मारे गए, यह साफ नहीं है।

संघर्ष के बीच ट्रंप की चेतावनी कितनी असरदार :बता दें कि ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में सामने आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और पिछले कुछ हफ्तों में सैन्य गतिविधियां तेज हुई हैं। इसी बीच ट्रंप ने ईरान को एक सख्त चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा है कि ईरान के पास 48 घंटे का समय है या तो समझौता करे या फिर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोल दे, नहीं तो भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप की चेतावनी पर ईरान का पलटवार :दूसरी ओर ट्रंप के इस चेतावनी पर ईरान ने भी जोरदार पलटवार किया है। ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को खारिज कर दिया है। ईरान के जनरल अली अब्दोल्लाही अलीआबादी ने कहा कि ट्रंप की यह चेतावनी बेबस, घबराई हुई, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कार्रवाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस संदेश का सरल मतलब यह है कि नरक के द्वार आपके लिए खुल जाएंगे।

ट्रंप पहले दी 10 दिनों का अल्टीमेटम दे चुके :इससे पहले ट्रंप ईरान को 10 दिन का अल्टीमेटम दे चुके थे। उन्होंने 26 मार्च को यह भी कहा था कि बातचीत को मौका देने के लिए ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए रोके जा रहे हैं। ट्रंप के मुताबिक, यह फैसला ईरान के कहने पर लिया गया था और बातचीत अच्छी चल रही थी।

होर्मुज को लेकर चिंता अभी भी वैश्विक चिंता बरकरार :गौरतलब है कि बीते एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष ने एक साथ कई सारी वैश्विक चिंताओं को जन्म दे दिया है। इसका बड़ा कारण होर्मुज है।दरअसल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद अहम रास्ता है। इसे लेकर अमेरिका लगातार ईरान पर दबाव बना रहा है। अब ट्रंप का नया 48 घंटे का अल्टीमेटम इस पूरे विवाद को और गंभीर बना रहा है।

जिला स्तरीय पुस्तक मेले का शुभारंभ, सांसद ने किया उद्घाटन

विद्यार्थियों और अभिभावकों की उमड़ी भीड़, एक ही स्थान पर मिल रही सभी शैक्षणिक सामग्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय पुस्तक मेले का शुभारंभ रविवार को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी देव कुमार सिंह ने की मेले में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली यह मेला 06 अप्रैल तक जारी रहेगा। मेले में विद्यार्थियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक ही स्थान पर गणवेश, पाठ्य पुस्तकें, बैग, कॉपियां एवं अन्य स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है जिससे अभिभावकों और छात्रों को काफी सुविधा मिल रही है। उद्घाटन अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने पुस्तक मेले की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध होने से अभिभावकों को समय और संसाधनों की बचत होती है। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री आसानी से मिल जाती है, जिससे वे अध्ययन के प्रति प्रेरित होते हैं। उन्होंने आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावी बताते हुए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, एसडीएम चुरहट विकास आनंद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुस्तक मेले का आयोजन कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। मेले के सफल संचालन में डीपीसी विनय मिश्रा, सहायक संचालक ओशो उत्सव, रमसा एपीसी डॉ. सुजीत मिश्रा, विष्णु पांडे, प्रवीण वर्मा, विजय सिंह चौहान सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। मेले में पहुंचे अभिभावकों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि एक ही स्थान पर सभी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उचित दरों पर उपलब्ध होने से उन्हें काफी सहूलियत मिल रही है और बच्चों की जरूरतें आसानी से पूरी हो पा रही हैं। उल्लेखनीय है कि जिले के सभी विकासखंडों में भी इसी प्रकार के पुस्तक मेलों का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी और अभिभावक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने सख्ती, उड़नदस्ता गठित, कंट्रोल रूम सक्रिय

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अक्षय तृतीया (20 अप्रैल 2026) के अवसर पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत जिले में उड़नदस्ता गठित करने के आदेश जारी किए हैं जो जिलेभर में सतत निगरानी रखेगा और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। जारी आदेश के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी/नगर परिषद, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा सभी थाना प्रभारी इस उड़नदस्ता में शामिल रहेंगे। यह टीम बाल विवाह की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी। बाल विवाह रोकने के लिए आंगनवाड़ी स्तर पर 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं और 21 वर्ष से कम आयु के बालकों की सूची तैयार की जाएगी ताकि संभावित मामलों पर पहले से नजर रखी जा सके। जिला एवं खंड स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन कर प्रिंटिंग प्रेस संचालकों, हलवाई, केटर्स, धर्मगुरुओं, बैंड संचालकों और परिवहनकर्ताओं सहित समाज के प्रमुख वर्गों को संवेदनशील बनाया जाएगा सभी से बाल विवाह में सहयोग न करने की अपील की जाएगी। इसके साथ ही हेल्पलाइन नंबर 181, 1098 और 112 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में रैली निकाली जाएगी और ग्राम पंचायतों में बाल विवाह न कराने की शपथ दिलाई जाएगी। पंचायत स्तर पर शपथ पत्र भी चस्पा किए जाएंगे। बाल विवाह के खिलाफ जनजागरूकता के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, दीवार लेखन और स्थानीय मीडिया का भी सहारा लिया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुंच सके।

सहकारी बैंक समीक्षा बैठक : पारदर्शिता और किसानों के हित पर कलेक्टर का सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी के प्रधान कार्यालय में कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक विकास मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक के कार्यों की प्रगति, ऋण वितरण, वसूली एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई।

पारदर्शिता और सुचिता पर जोर: बैठक में कलेक्टर ने बैंकिंग कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं सुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ऋण वितरण की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए तथा इसका समय-समय पर रैंडम परीक्षण भी किया जाएगा।

किसानों को अधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश: कलेक्टर ने कृषि वर्ष को ध्यान में रखते हुए किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों से सतत संवाद स्थापित करें और शासन की योजनाओं को उनके द्वार तक पहुंचाना सुनिश्चित करें जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके।

ई-विकास पोर्टल से खाद वितरण अनिवार्य: बैठक में खाद वितरण को अनिवार्य रूप से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जिससे पारदर्शिता बनी रहे और अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके।

विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा: खरीफ ऋण वसूली, खरीफ एवं रबी उपार्जन, पैक्स कम्प्यूटरीकरण, ई-विकास पोर्टल की प्रगति, ऋण वितरण, एनपीए की स्थिति तथा सीएम हेल्पलाइन की गहन समीक्षा की गई। साथ ही बैंक की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए।

अनियमितता पर सख्त चेतावनी: कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, उपसंचालक कृषि राजेश सिंह चौहान, उपायुक्त सहकारिता दीप्ती बनवासी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशय तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अकौरी में जल गंगा संवर्धन अभियान, डॉ. राजेश मिश्रा ने श्रमदान कर दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम अकौरी की वैगान बस्ती में जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन सांसद डॉ. राजेश मिश्रा की अगुवाई में किया गया कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर श्रमदान करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने स्वयं श्रमदान में भाग लेते हुए ग्रामीणों के साथ जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की और उन्हें संरक्षित एवं पुनर्जीवित करने के प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाई इस दौरान सामूहिक श्रम के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व को व्यवहारिक रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान एक जनभागीदारी आधारित पहल है जिसका उद्देश्य जल स्त्रोतों को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है उन्होंने कहा कि जल जीवन का मूल आधार है और इसके संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल का समुचित उपयोग करें वर्षा जल संचयन को अपनाएं और जल स्त्रोतों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करें। सांसद ने कहा कि इस प्रकार के श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं उन्होंने ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला, उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर जल संरक्षण के इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

ई-टोकन नियम उल्लंघन पर सख्ती, तीन उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में ई-टोकन प्रणाली के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस प्राप्त करने वाले विक्रेताओं में मयंक खाद बीज भण्डार मे. रमेश ट्रेडर्स एवं श्रीराम ट्रेडर्स पनवार शामिल हैं। सभी को दो दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं अन्यथा एकपक्षीय वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित विक्रेताओं द्वारा बिना ई-टोकन उर्वरक विक्रय किया गया जो निर्धारित नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की है। बताया गया कि 25 मार्च 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी उर्वरक विक्रेताओं को ई-विकास प्रणाली एवं ई-टोकन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई थी। साथ ही यह स्पष्ट निर्देश भी दिए गए थे कि 1 अप्रैल 2026 से बिना ई-टोकन उर्वरक वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त, विक्रेताओं को व्हाट्सएप समूह के माध्यम से भी समय-समय पर नियमों की जानकारी और दिशा-निर्देश साझा किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विक्रेताओं द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए उर्वरक का विक्रय किया गया, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधानों के विपरीत है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

39 फोरलेन 15 साल से अधूर , सांसद बोले अप्रैल से शुरू होगा काम , 2 साल में बनकर होग तैयर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। विंध्य क्षेत्र की लाइफलाइन माना जाने वाला सीधी-सिंगरौली नेशनल हाईवे पिछले 15 सालों से अधूरा पड़ा है करीब 105 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन मार्ग का काम पूरा न होने से अब सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। इस सड़क को फोरलेन बनाने का फैसला साल 2012 में लिया गया था। मकसद था कि सीधी और सिंगरौली के बीच सफर सुरक्षित हो और उद्योगों को बढ़ावा मिले। लेकिन जमीन अधिग्रहण में देरी अफसरों की सुस्ती और बार-बार ठेकेदार बदलने की वजह से यह प्रोजेक्ट बुरी तरह अटक गया जानलेवा गड्ढे और धूल से जनता बेहाल मौजूदा समय में इस हाईवे की हालत खस्ता है जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं और कई हिस्सों में तो काम पूरी तरह बंद पड़ा है सिंगरौली औद्योगिक इलाका होने के कारण यहां से रोज 5000 से ज्यादा भारी ट्रक गुजरते हैं जिससे उड़ती धूल और खराब सड़क की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। बारिश में तो स्थिति और भी जानलेवा हो जाती है। मामले में राहत की बात यह है कि सीधी-सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नई जानकारी दी है। उन्होंने रविवार को बताया कि अब इस पूरे प्रोजेक्ट की कमान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को दे दी गई है। सांसद के मुताबिक, अप्रैल महीने से सड़क का निर्माण फिर से शुरू हो जाएगा और अगले दो साल के भीतर यह एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हो जाएगा। सांसद मिश्रा को भरोसा है कि सड़क बनते ही आवागमन आसान होगा, जिससे इलाके में निवेश, व्यापार और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

पूज्य बापूजी का 90वां अवतरण दिवस 8 अप्रैल को, योग वेदांत सेवा समिति द्वारा विश्व सेवा-सत्संग दिवस मनाने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दूसरों की भलाई में हम जितना ही अपने अहंकार और स्वार्थ को भूलेंगे उतना ही हमारा वास्तविक हित अधिक होगा – इसी संदेश को आत्मसात करते हुए योग वेदांत सेवा समिति रीवा द्वारा पूज्य संत आसाराम बापू जी का 90वां अवतरण दिवस 8 अप्रैल को विश्व सेवा-सत्संग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष कैलाश आहूजा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन शास्त्री नगर अमहिया स्थित सिंधी धर्मशाला के सत्संग भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकालीन सत्संग, कीर्तन और भजन से होगी जिसके पश्चात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा इसके अलावा हेमू कालानी चौक पर सुबह 11 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजकों के अनुसार इस अवसर पर संत आसाराम बापू जी के वीडियो सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक संदेश भी प्रसारित किए जाएंगे जिनमें जीवन के वास्तविक उद्देश्य, आत्मज्ञान, आत्मशांति तथा परमात्मा के स्वरूप पर प्रकाश डाला जाएगा। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के दौरान एक प्रेरणादायक प्रसंग भी साझा किया गया, जिसमें एक सम्राट अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं से संतुष्ट न होकर एक साधु के पास आत्मज्ञान की खोज में पहुंचता है। सम्राट बताता है कि भोग-विलास, धन-दौलत और ऐश्वर्य के बावजूद उसे जीवन का वास्तविक सार नहीं मिला तब वह साधु से परमात्मा, आत्मा और जीवन के उद्देश्य का ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा प्रकट करता है। इस प्रसंग के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं बल्कि आत्मज्ञान और आध्यात्मिक जागरूकता में निहित है। समिति ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में सेवा, सत्संग और आध्यात्मिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है ताकि लोग अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझ सकें इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य नागरिक और साधकगण उपस्थित रहेंगे जिनमें कैलाश आहूजा, काशी खिलवानी, मधु शिवनानी, वंशिका तुलसानी, सुधा वर्मा, पुष्कर वर्मा और नानू भाई सहित अन्य श्रद्धालु शामिल होंगे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत-सम्मान, संगठन विस्तार पर आम आदमी पार्टी का जोरगांव-गांव तक संगठन मजबूत करने की बनी रणनीति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आम आदमी पार्टी रीवा ग्रामीण द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक एवं स्वागत-सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को अमरसुधा जनमासा, चिरहुला मंदिर के पास किया गया कार्यक्रम में प्रदेश स्तर के पदाधिकारी एवं जिले के नव नियुक्त कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश बौद्धिक सचिव सुभ्रांशु द्विवेदी एवं प्रदेश यूथ उपाध्यक्ष विनायक तोमर उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन रीवा ग्रामीण जिला अध्यक्ष सतीश तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। मंचासीन पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा से आमजन को अवगत कराना होगा। साथ ही देश की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए वर्तमान सरकार की नीतियों के प्रति जनता को जागरूक करने की बात कही गई कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष नितिन तिवारी ने उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सतीश तिवारी, नितिन तिवारी,नृपेन्द्र तिवारी, शिवम भारद्वाज, राजेश दुबे, राजकुमार तिवारी, शिवम समदरिया, जगन्नाथ वर्मा, रवि तिवारी, परिवर्तन पटेल, बृजगोपाल मिश्रा, विजय कुमार पटेल, रामपाल सेन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस बैठक के माध्यम से आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह रीवा जिले में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है जिससे आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सके।

गेहूं उपार्जन केंद्रों की तैयारियों पर जोर, भौतिक सत्यापन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी तय

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के उपार्जन केंद्रों के भौतिक सत्यापन के लिए राजस्व, खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की है। जिले में 15 अप्रैल से 12 मई 2026 तक समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जाएगी इसके लिए जिला उपार्जन समिति द्वारा अनुशंसित 33 सेवा सहकारी समितियों को उपार्जन केंद्र बनाया गया है इन सभी केंद्रों पर व्यवस्थाओं की सघन जांच की जाएगी। संबंधित अधिकारी उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर 8 अप्रैल 2026 तक अपना सत्यापन प्रतिवेदन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के माध्यम से कलेक्टर खाद्य कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे उपार्जन केंद्रों पर हाई-स्पीड इंटरनेट, निर्बाध विद्युत व्यवस्था या जनरेटर, कम्प्यूटर/लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर एवं यूपीएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की उपलब्धता अनिवार्य की गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि किसानों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, पेयजल, शौचालय, छाया एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपार्जन केंद्रों पर गुणवत्ता परीक्षण के लिए कैलिब्रेटेड तौल कांटे, बड़े छनने, पंखे एवं परखी जैसे उपकरण उपलब्ध रहेंगे। साथ ही सूचना पटल पर गुणवत्ता मानक, भुगतान प्रक्रिया एवं टोल-फ्री नंबर प्रदर्शित किए जाएंगे सुरक्षा के दृष्टिकोण से तिरपाल, अग्निशमन यंत्र, रेत, जल निकासी व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक संसाधन भी सुनिश्चित किए जाएंगे किसानों की सुविधा के लिए बायोमेट्रिक डिवाइस, हेल्पडेस्क, गुणवत्ता परीक्षण कक्ष, अनलोडिंग क्षेत्र, तौल एवं अस्थाई भंडारण की व्यवस्था भी की जाएगी।

स्टालिन का हिंदी विरोध, चुनाव से पहले फिर छेड़ा राग

संपादकीय

तमिलनाडु चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना राग फिर छेड़ा है, आरोप लगाया कि केंद्र नई शिक्षा नीति के तहत हिंदी थोप रहा है।

इस पर आश्चर्य नहीं कि तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव निकट आते ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध का पुराना और विभाजनकारी राग फिर छेड़ दिया। उन्होंने अपना यह पुराना आरोप फिर मढ़ा कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु में हिंदी थोपना चाहती है। यह साफ है कि उन्होंने चुनाव के चलते लोगों की भावनाएं भड़काने के लिए हिंदी थोपने के आरोप को जानबूझकर उछाला है।

इसे भांपते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहकर उन्हें उचित ही बेनकाब किया कि वे हिंदी थोपने का नैरेटिव अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए कर रहे हैं और जानबूझकर त्रिभाषा फार्मूले की गलत व्याख्या कर रहे हैं। स्टालिन सच में ऐसा ही कर रहे हैं, क्योंकि नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले में तो हिंदी को अनिवार्य किया ही नहीं गया।

तमिलनाडु में तमिल अस्मिता के नाम पर हिंदी विरोध की जड़ें बहुत पुरानी हैं। चूंकि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से इन जड़ों को जानबूझकर सींचा गया, इसलिए एक समय वहां हिंदी विरोध के नाम पर हिंसा भी हुई।

हालांकि समय के साथ तमिलनाडु के लोगों में हिंदी के प्रति विरोध का भाव तिरोहित हो गया है, पर कुछ दल और विशेष रूप से डीएमके उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के चलते रह-रहकर उभारती रहती है। अब यह तमाशा चलने वाला नहीं है, क्योंकि तमिलनाडु के साथ अन्य अहिंदी भाषी राज्यों की जनता हिंदी की सामर्थ्य एवं उसकी उपयोगिता से भली तरह परिचित है और वह उसे स्वेच्छा से अपना भी रही है। इसका कारण हिंदी का देश की सबसे प्रभावी संपर्क भाषा के रूप में विकसित होना है।

हिंदी वह धागा है, जिसमें सभी भारतीय भाषाएं गुंथी हुई हैं। हिंदी का किसी भाषा से बैर-विरोध नहीं। वह सब भारतीय भाषाओं की सखी-सहयोगी है। वह राष्ट्रीय एकता की वाहक भी है। देश के हर हिस्से और यहां तक कि तमिलनाडु के लोग भी हिंदी समझते हैं और उसकी महत्ता भी जान रहे हैं। स्टालिन वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण अपने लोगों को कितना भी बरगलाएं, तथ्य यह है कि तमिलनाडु में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी कामगार रहते हैं।

उनके तमाम नियोक्ता उनसे हिंदी में संवाद करने की कोशिश करते हैं। कुछ ने उनसे वार्तालाप के लिए हिंदी बोलने वाले जानकार भी रख रखे हैं। स्टालिन का हिंदी विरोध इसलिए परवान नहीं चढ़ने वाला, क्योंकि तमिलनाडु की जनता इससे अवगत है कि केंद्र सरकार किस तरह तमिल भाषा को बढ़ावा देने वाले तमिल संगमम जैसे आयोजन कर रही है।

मज़हब, मानवता और वैचारिक संघर्ष का विमर्श : 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना'

उमेश कुमार सिंह

(पुस्तक समीक्षा)

भारतीय समाज में धर्म, मज़हब और मानवता के संबंधों को लेकर सदियों से विचार-विमर्श चलता रहा है, किंतु समकालीन समय में यह बहस और अधिक तीव्र और प्रासंगिक हो गई है। इसी संवेदनशील और जटिल विषय को केंद्र में रखकर लेखक डॉ. राकेश कुमार आर्य की पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' एक वैचारिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है। यह पुस्तक केवल धार्मिक विमर्श तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक संरचना, ऐतिहासिक घटनाओं और मानवीय मूल्यों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अपने तर्क प्रस्तुत करती है। प्रकाशन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्था डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक 'मज़हब ही तो सिखाता है आपस में बैर रखना' अपने तीखे दृष्टिकोण और स्पष्ट वैचारिक आग्रह के कारण विशेष ध्यान आकर्षित करती है।

पुस्तक का मूल कथ्य यह है कि मज़हब ने मानव को उसकी मूल पहचान से दूर कर दिया है। लेखक का मानना है कि मज़हब व्यक्ति को विभिन्न धार्मिक पहचान तो देता है, परंतु उसे वास्तविक अर्थों में 'मानव' बनने से रोकता है। यह विचार पुस्तक के आरंभिक अंशों से ही स्पष्ट रूप से सामने आता है, जहाँ लेखक समाज की उस प्रवृत्ति की आलोचना करते हैं जिसमें व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, सम्प्रदाय और बाहरी पहचान के आधार पर किया जाता है। लेखक के अनुसार यह स्थिति मानवीय गरिमा के विपरीत है और समाज को विभाजन की ओर ले जाती है।

लेखक ने इस बात पर विशेष बल दिया है कि आधुनिक समाज में संवाद की शुरुआत भी अक्सर जाति और धर्म के प्रश्नों से होती है, जबकि मानवीय गुणों, ज्ञान और संवेदनशीलता पर चर्चा गौण हो गई है। यह अवलोकन न केवल सामाजिक यथार्थ को उजागर करता है, बल्कि पाठक को आत्ममंथन के लिए भी प्रेरित करता है। पुस्तक का यह भाग विशेष रूप से प्रभावशाली है क्योंकि यह पाठक को सीधे उसके अपने अनुभवों से जोड़ता है।

इतिहास के संदर्भ में लेखक ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि विश्व के अधिकांश संघर्षों और युद्धों के पीछे मज़हबी कारण प्रमुख रहे हैं। क्रूसेड युद्धों से लेकर मध्यकालीन आक्रमणों तक, पुस्तक में अनेक उदाहरणों के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार धार्मिक उन्माद ने हिंसा और विभाजन को जन्म दिया। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लेखक का दृष्टिकोण कई स्थानों पर एकपक्षीय प्रतीत होता है, जहाँ कुछ विशेष समुदायों और विचारधाराओं की आलोचना अधिक तीव्र रूप में की गई है। यह पहलू पाठक को संतुलित दृष्टि से पढ़ने और समझने की आवश्यकता का संकेत देता है।

पुस्तक में 'धर्म' और 'मज़हब' के बीच एक स्पष्ट भेद स्थापित किया गया है। लेखक के अनुसार धर्म वह है जो मनुष्य को धारण करता है और उसे नैतिक तथा मानवीय बनाता है, जबकि मज़हब एक सीमित पहचान के रूप में कार्य करता है जो विभाजन को बढ़ावा देता है। वेदों के उद्धरणों के माध्यम से लेखक यह स्थापित करने का प्रयास करते हैं कि वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को 'मनुष्य' बनाना है। यह विचार भारतीय दार्शनिक परंपरा की उस मूल भावना को अभिव्यक्त करता है जिसमें मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

समकालीन संदर्भ में पुस्तक की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। आज जब समाज में सांप्रदायिक तनाव, असहिष्णुता और वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, ऐसे में यह पुस्तक एक चेतावनी के रूप में सामने आती है। लेखक ने यह इंगित किया है कि वैज्ञानिक प्रगति और भौतिक उन्नति के बावजूद मानव की सोच संकीर्ण होती जा रही है और आध्यात्मिक विकास लगभग शून्य की अवस्था में है। यह विश्लेषण आधुनिक समाज की एक महत्वपूर्ण विडंबना को उजागर करता है।

पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संदर्भ में भी लेखक ने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, जहाँ वे कुछ धार्मिक मान्यताओं को पर्यावरणीय असंतुलन के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं।

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो क़ोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु क़ोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं

संजय गोस्वामी

वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और इंसानियत में ही

निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है।

प्रसिद्धि से सदन तक एक सुझाव

राजगुरु मनोज अग्निहोत्री

राजनीति प्रसिद्धि और समृद्धि का साधन है। प्रसिद्धि प्राप्त हुई कि नहीं हुई इस बात को भी हमें नहीं देखना है। लेकिन प्रसिद्ध हम हो चुके हैं इसका प्रचार -प्रसार जोरों से करने लगना हैं। इसके लिए आज के समय में नेट, इंटरनेट, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा ट्विटर आदि इतने अच्छे - अच्छे संसाधन उपलब्ध हो गए हैं कि अपनी प्रसिद्धि के लिए आप बिना किसी खर्च के प्रयास कर सकते हैं। नींद खुले नहीं की प्रसिद्धि में आप लग जाय, आप कितने प्रसिद्ध हैं, यह बताने के लिए नए -नए उपाय अपनाएं, कभी किसी को कुछ कभी किसी को कुछ भेजकर यह बताने का प्रयास करें कि देखो हमने प्रसिद्धि प्राप्त कर ली है और इस प्रसिद्धि को प्राप्त करने में हमने अपना पूरा जीवन लगा दिया है। अगर कोई हमारी प्रसिद्धि पर बात करना चाहता है तो उसका खुले दिल से स्वागत है।

नेकी कर फेसबुक में डाल: आप अपनी प्रसिद्धि को दिखाने के लिए निवास स्थान पर लोगों को आमंत्रित करें, जहां बड़े - बड़े कमरों में दीवाल के चारों तरफ आपने अपनी प्रस्तुति का पूरा विवरण सजा रखा है बस लोगों को अवलोकन कराना है और अवलोकन करते ही वे लोग जान जाएंगे कि आप कितने प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आपको अपने मुंह से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी अपने आप ही यह सिद्ध हो जाएगा कि आप कितने बड़े प्रसिद्ध व्यक्ति हो चुके हैं। राजनीति में प्रसिद्धि के लिए कोई भी तरकीब अपनाने से पीछे नहीं हटिए। कार्यकर्ताओं को बुलाइए, झंडा पकड़ाइए, उन्हें अच्छी तरह से पूरा कार्य समझाइए, जिसकी वजह से आपको प्रसिद्धि मिली है। सुबह से लेकर शाम तक की मेहनत का फल दिखना चाहिए यानि कि नेकी कर फेसबुक में डाल, वाट्सअप में डाल।.

प्रसिद्ध ही नहीं जगत प्रसिद्ध: आप प्रसिद्ध हो चुके लोगों से मिलने जाते रहे। जैसे -जैसे आपकी मुलाकात बढ़ती जाएगी वैसे -वैसे आपको लगने लगेगा कि प्रसिद्धि प्राप्त करने में आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी बल्कि मिली हुई प्रसिद्धि को बताने के लिए बहुत मेहनत अवश्य करनी पड़ेगी। बहुत पापड़ बेलने पड़ेंगे। इस शहर से उस शहर तक जाना पड़ेगा। इस व्यक्ति से उस व्यक्ति तक मिलना पड़ेगा। कहीं -कहीं सिफारिश भी लगानी पड़ेगी। तब तक लोगों को पता चल जाएगा कि आप बहुत प्रसिद्ध हो चुके हैं, जगत प्रसिद्ध हैं, विश्व प्रसिद्ध हूं, राष्ट्रीय नहीं अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रसिद्ध हो चुके हैं। कुछ ऐसे लोगों को तैयार करके रखिए कि वे कुछ पैसे लेकर आपकी इस प्रसिद्धि को लोगो तक पहुंचाएं। यह तय है कि चुनाव आने तक प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना है। चार - चांद तब लगेंगे जब प्रसिद्धि का प्रसाद टिकट आपको मिलेगी और आप जनसेवक बन जाएंगे। वैसे भी आप जिस तरह से राजनीति में आए उससे आपका पहला हक बन जाता है। अब आपसे कोई प्रश्न न पूछेगा क्योंकि आप प्रसिद्ध हो चुके हो। बस थोड़ा जोड़ -तोड़ करते रहें प्रसिद्धि अपने आप बढ़ती जाएगी क्योंकि जो व्यक्ति प्रसिद्ध हैं उनके साथ आने जाने में आपने कितना खर्च किया है तब जाकर प्रसिद्धि का यह प्रसाद मिल पाया है।

समाज के ठुकराए राजनीति में पैर जमाए: हमारे देश में प्रतिवर्ष राजनीति में प्रसिद्धि पाए व्यक्ति जो पूर्णरूप से समाज के द्वारा ठुकराए जाते हैं, समाज के द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाते हैं, वे हमारे इन छोटे - छोटे सुझावों से विधानसभा और संसद भवन में आराम से पहुंच जाते हैं। आपकी प्रसिद्धि जहां पहुंच गई है वहां बने रहने के लिए आपको लाखों करोड़ों की आवश्यकता भी पड़ सकती है उसके लिए प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलकर अवैध उत्खनन करें, मनी माफिया और मीडिया को अपने जेब में रखे क्योंकि अब राजनीति भी एक व्यापार बन चुकी है और इस व्यापार में जो जितना सजग है उतना ही सफल है। अगर आप चुनाव लड़ने के पहले अपराध भी किए हैं वहां भी आपकी प्रसिद्धि की प्रस्तुति ऐसी हो जहां अपराध कोई मायने ही न रखे। राजनीति में आपत्ति के लिए जगह बनाए जैसे ही आपको आपत्ति मिली प्रसिद्धि अपने आप मिलने लगेगी।

घटना वही जो वायरल हो: एक बार एक दल के नेता ने दूसरे दल के नेता को सरेआम सड़क पर दो थप्पड़ लगा दिए यह जरूर है वो थप्पड़ लगाने के पहले विशेष रूप से व्यवस्था की जैसे मीडिया के दो चार लोग रहें ताकि बात लोगो तक पहुंचे और अगले दिन समाचार की मुख्य होर्डिंग बने। सोशल मीडिया में पूरी तरह छा जाए अर्थात घटना वायरल हो जाए। क्योंकि अब आप इतने प्रसिद्ध हो चुके हैं आपके ऊपर इतने बड़े -बड़े लोगों का हाथ जो है निश्चित रूप से अगली आपत्ति के लिए जगह तलाश करते रहें। वैनर, होर्डिंग, मर्सडीज, आडी जैसी गाड़ियों का विशेष ध्यान रखें अपने ही बैनर को अपनी ही पोस्ट को अपने ही कार्यकर्ताओं द्वारा पालना, जलाना, तोड़ना करवाते रहें और इसका सारा श्रेय विपक्ष को दे दें और सारे समाज का आशीर्वाद प्राप्त करते रहें। अब तक आप सदन में पहुंच चुके होंगे और सदन में रहकर प्रश्न न पूंछे क्योंकि आप प्रसिद्ध हो चुके हैं। जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी से लेकर देश के बड़े -बड़े नेता समाज के उत्थान के लिए कार्य किए पर वह सभी की जानकारी में नहीं आया क्योंकि प्रसिद्धि का कार्यक्रम उस समय नहीं चलता था। जवाहर लाल नेहरू प्रसिद्ध हो गए क्योंकि उन्होंने जेल में रहकर भारत एक खोज लिख डाली उसे दूरदर्शन में दिखाया गया जिससे उनकी प्रसिद्धि डबल होकर पूरे देश के समझ में आ गई। अत: आप भी जेल का कार्यक्रम बनाईए और मै तो कहता हूं भारत एक मौज लिख डालिए क्योंकि आज के समय में यह कोई नहीं जानना चाहता कि आपका प्रसिद्धि पाने का तरीका क्या था बस आप प्रसिद्ध हो गए और आप ही इस प्रसिद्धि को भुनाएंगे। अब आप प्रसिद्धि प्राप्त कर पाते हैं या नहीं कर पाते यह विचार का विषय है।

हरियाणा के विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार का काला सच

(चार प्रमुख विश्वविद्यालयों में वित्तीय घोटाले, भर्ती अनियमितताएं और सत्ता के दुरुपयोग ने शिक्षा व्यवस्था पर खड़े किए गंभीर सवाल) हरियाणा के उच्च शिक्षा क्षेत्र में हाल ही में सामने आया भ्रष्टाचार का मामला न केवल राज्य की चार प्रमुख विश्वविद्यालयों की साख को धक्का पहुंचाने वाला है, बल्कि यह पूरे शैक्षणिक ढांचे की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। जिन विश्वविद्यालयों का नाम इस विवाद में सामने आया है—महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार; दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल; और श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र—ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे समय से शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेकिन अब इन संस्थानों के शीर्ष पदों पर बैठे कुलपतियों पर लगे भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं, भर्ती घोटालों और पद के दुरुपयोग के आरोपों ने इनकी छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया है।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (स्ङ्क४ष्टक्च) द्वारा 1-2 अप्रैल 2026 को शुरू की गई जांच ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। यह केवल कुछ व्यक्तियों की कथित गलतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रणालीगत विफलता की ओर इशारा करता है, जहां शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव दिखाई देता है। इन आरोपों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि उच्च शिक्षा संस्थानों का नेतृत्व ही संदिग्ध हो, तो वहां पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य किस प्रकार प्रभावित हो सकता है।

सबसे चौंकाने वाला मामला दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल से जुड़ा हुआ है। यहां के कुलपति पर लगभग 50 करोड़ रुपये के छात्र कल्याण कोष के गबन का आरोप है। आरोपों के अनुसार, इस राशि को सरकारी बैंकों में उच्च ब्याज दर पर सुरक्षित रखने के बजाय निजी बैंकों में कम ब्याज पर फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश किया गया, जिससे विश्वविद्यालय को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह केवल वित्तीय लापरवाही का मामला नहीं लगता, बल्कि इसमें सुनियोजित अनियमितता की आशंका भी जताई जा रही है। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता बल्कि नैतिक पतन का भी उदाहरण होगा।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में भी गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। यहां पौधारोपण के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाले की बात कही जा रही है। कागजों में हजारों पौधों की खरीद और रोपण दिखाया गया, लेकिन वास्तविकता में इनका कोई अस्तित्व नहीं मिला। इसके अलावा, भर्ती प्रक्रियाओं में भी पक्षपात और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं, जहां योग्य उम्मीदवारों को दरकिनार कर पसंदीदा व्यक्तियों को नौकरी दी गई।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहां आरक्षण नियमों का उल्लंघन, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और बिना आवश्यक योग्यता के नियुक्तियां किए जाने के आरोप हैं। यह स्थिति न केवल संस्थान की प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाती है, बल्कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

इसी तरह, श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में भी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और आरक्षण रोस्टर के उल्लंघन की शिकायतें सामने आई हैं। आयुर्वेद जैसे पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के लिए स्थापित इस संस्थान में इस प्रकार की अनियमितताएं बेहद चिंताजनक हैं।

इन सभी मामलों में एक समान पैटर्न दिखाई देता है—पद का दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताएं, और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव। यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे वर्षों से चली आ रही एक कमजोर और राजनीतिक रूप से प्रभावित प्रणाली है। हरियाणा में विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्तियां लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव के अधीन रही हैं, जहां योग्यता और अनुभव की बजाय नजदीकी और वफादारी को प्राथमिकता दी जाती रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि संस्थानों में जवाबदेही और नैतिकता कमजोर होती गई।

जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह जांच निष्पक्ष और समयबद्ध हो। अक्सर देखा गया है कि इस प्रकार के मामलों में प्रारंभिक कार्रवाई तो होती है, लेकिन बाद में राजनीतिक दबाव या प्रशासनिक ढिलाई के कारण मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, तो यह न केवल दोषियों को बचाने का काम करेगा, बल्कि जनता के विश्वास को भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

इस पूरे मामले का सबसे बड़ा प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जब संस्थान के संसाधनों का दुरुपयोग होता है, तो इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। प्रयोगशालाओं की कमी, योग्य शिक्षकों की अनुपलब्धता, और बुनियादी सुविधाओं का अभाव छात्रों के शैक्षणिक विकास में बाधा बनता है। ऐसे में छात्रों का मनोबल गिरता है और उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित होती हैं।

हरियाणा जैसे राज्य में, जहां पहले से ही बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है, इस प्रकार के घोटाले युवाओं में निराशा और असंतोष को बढ़ाते हैं। जब उन्हें यह महसूस होता है कि मेहनत और योग्यता के बावजूद अवसर निष्पक्ष रूप से नहीं मिलेंगे, तो यह सामाजिक असंतुलन को भी जन्म देता है।

इस स्थिति से निपटने के लिए केवल जांच और सजा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, कुलपति और अन्य उच्च पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाया जाना चाहिए। इसके लिए स्वतंत्र चयन समितियों का गठन किया जा सकता है, जो राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर निर्णय लें।

दूसरे, विश्वविद्यालयों में वित्तीय लेन-देन की नियमित और स्वतंत्र ऑडिटिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इससे फंड के दुरुपयोग को समय रहते रोका जा सकेगा। तीसरे, भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम हो।

इसके अलावा, छात्रों और शिक्षकों को भी संस्थान के प्रशासन में अधिक भागीदारी दी जानी चाहिए, ताकि वे किसी भी गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठा सकें। सूचना का अधिकार (ऋञ्जढ्ढ) और मीडिया की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। अंततः, यह मामला केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है। यदि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भ्रष्टाचार को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका असर देश के विकास पर पड़ेगा। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे समाज के बौद्धिक और नैतिक विकास के आधार होते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका और समाज मिलकर इस समस्या का समाधान करें। दोषियों को कड़ी सजा दी जाए और एक ऐसी प्रणाली विकसित की जाए, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सर्वोच्च प्राथमिकता हो। तभी हम एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, जहां युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो।

(लेखक-पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

0000000000000000000

परसदा में अवैध प्लाटिंग से तालाब प्रदूषित :ग्रामीणों ने कलेक्टर से की शिकायत, जांच टीम गठित

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। जिले के तखतपुर विकासखंड के परसदा गांव में अवैध प्लाटिंग और पर्यावरण प्रदूषण का गंभीर मामला सामने आया है यहां अव्यवस्थित बसाहट के कारण गंदा पानी सीधे निस्तारी तालाब में बहाया जा रहा है जिससे ग्रामीण आक्रोशित हैं उन्होंने कलेक्टर से शिकायत की है और इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने निजी कंपनी की ओर से की जा रही प्लाटिंग पर कड़ी आपत्ति जताई है उनका आरोप है कि बिना ले-आउट, डायवर्सन और रेरा रजिस्ट्रेशन के ही कृषि और शासकीय भूमि पर अवैध रूप से प्लॉट काटे जा रहे हैं और मकानों का निर्माण किया जा रहा है। सकरी तहसीलदार राहुल शर्मा ने बताया कि परसदा के ग्रामीणों की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है इस टीम में पटवारी देवेंद्र सिंह और आरआई अखिलेश साहू शामिल हैं तहसीलदार ने जानकारी दी कि जांच रिपोर्ट मंगलवार या बुधवार तक मिल जाएगी, जिसके बाद तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अवैध प्लाटिंग की खरीदी-बिक्री भी धड़ल्ले से चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कॉलोनी के सीवरेज का गंदा पानी सीधे गांव के निस्तारी तालाब में बहाया जा रहा है, जिससे तालाब का पानी पूरी तरह दूषित हो रहा है तालाब का पानी प्रदूषित होने से जहां एक ओर घातक बीमारियों के संक्रमण का खतरा उत्पन्न हो गया है वहीं गांव के के लोगों के समक्ष निस्तारी का संकट उत्पन्न हो गया है। गांव की महिलाओं ने तालाब को प्रदूषित करने पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निस्तारी तालाब में नाली का गंदा पानी डाला जा रहा है जबकि गर्मी के दिनों में इसी तालाब के पानी का उपयोग सबसे ज्यादा होता है। परसदा निवासी संत राम लहरे ने आरोप लगाया कि अवैध प्लाटिंग तखतपुर जनपद पंचायत सदस्य अरुण कुमार द्वारा किया जा रहा है जिसके चलते पूरे मामले में संरक्षण मिलने की आशंका जताई जा रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि पूरी कॉलोनी का गंदा पानी तालाब में डाला जा रहा है उन्होंने इस पर रोक लगाने तथा प्लाटों की खरीद फरोख्त बंद कराते हुए अवैध कालोनी पर बुलडोजरी कार्रवाई करने की मांग की गई है। लोगों ने आरोप लगाया है कि कॉलोनी निर्माण से पहले न तो ग्राम सभा की अनुमति ली गई और न ही पंचायत से विधिवत नक्शा पास कराया गया साथ ही शासकीय जमीन पर भी कब्जा कर प्लॉट बेचने का आरोप लगाते हुए सकी शिकायत कलेक्टर से की गई है। कलेक्टर से शिकायत के बाद इस मामले में जांच के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया है पटवारी को जांच रिपोर्ट तैयार करने कहा गया है। तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह का कहना है कि अवैध प्लाटिंग का मुद्दा वह विधानसभा में उठा चुके हैं उन्होंने साफ शब्दों में मांग की है कि उनके विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जिस किसी स्थान पर अवैध प्लाटिंग हो रही है बिना रेरा के पंजीयन या ले आउट व डायवर्सन के बिना प्लाटिंग या कालोनी निर्माण किया जा रहा है उसकी जांच कर सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघ शावक का शव मिला,शरीर पर चोट के मिले निशान

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, नर्मदापुरम के मटकुली वन परिक्षेत्र की नयाखेड़ा बीट में चार महीने के बाघ शावक की मौत हो गई सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) ने आशंका जताई है कि शावक की मौत दो बाघों के आपसी संघर्ष के दौरान हुए हमले के कारण हुई। एसटीआर की ओर से जारी जानकारी के अनुसार 4 अप्रैल की शाम को दो बाघों के दहाड़ने की तेज आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद वनरक्षक और अन्य स्टाफ ने उस क्षेत्र में गश्त की। रात में मौका स्थल के पास एक शावक मृत पाया गया रात्रि होने के कारण घटनास्थल की निगरानी की गई। अगले दिन 5 अप्रैल को मौका स्थल का निरीक्षण करने पर बाघों के आपसी संघर्ष के स्पष्ट साक्ष्य मिले घटनास्थल के आसपास सूक्ष्म निरीक्षण में अन्य बाघों की उपस्थिति के भी प्रमाण भी मिले। क्षेत्र संचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व सहायक संचालक (पिपरिया एवं पचमढ़ी) तहसीलदार पिपरिया और एनटीसीए के प्रतिनिधि की उपस्थिति में निर्धारित एसओपी के अनुसार सभी आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। शावक का शव परीक्षण डॉ. गुरुदत्त शर्मा (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) और डॉ. अमित ओढ़ (रातापानी टाइगर रिजर्व) की ओर किया गया।

नरवर में टीन शेड से 50 पेटी अवैध शराब जब्त :2.06 लाख की 465 लीटर खेप बरामद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के नरवर थाना क्षेत्र में मगरौनी चौकी पुलिस ने रविवार को एक आरोपी के घर के बाहर टीन शेड में छुपाकर रखी गई अवैध शराब की खेप जब्त की है पुलिस को देखते ही आरोपी मौके से फरार हो गया जिसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस ने मौके से कुल 50 पेटी अवैध शराब बरामद की। कुल 465 लीटर शराब जब्त की गई जिसकी कीमत करीब 2 लाख 6 हजार रुपए आंकी गई है नरवर थाना प्रभारी विनय यादव ने बताया कि मगरौनी चौकी पुलिस ने यह कार्रवाई की।

कंटेनर से 31 गौवंश बरामद : दो गौ तस्कर गिरफ्तार छत्तीसगढ़ ले जाने की थी तैयारी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एनएच 46 पर एक कंटेनर से 31 गौवंश बरामद किए हैं यह कार्रवाई रविवार सुबह राज होटल के पास की गई जिसमें दो गौ तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। कोलारस पुलिस को रविवार सुबह मुखबिर से पशु तस्करी की सूचना मिली थी इसके बाद थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर के निर्देश पर एक पुलिस टीम को हाईवे पर तैनात किया गया। पुलिस टीम ने सुबह करीब 11 बजे पड़ौरा चौराहा के पास राज होटल के नजदीक संदिग्ध कंटेनर को रोका और उसकी जांच की। कंटेनर के दरवाजे खोलने पर उसमें 31 गौवंश ठूंस-ठूंसकर भरे हुए मिले सभी गौवंश के सींग रस्सियों से बांधे गए थे जिससे उनकी हालत खराब हो रही थी। पुलिस ने कंटेनर में सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया इनकी पहचान राजस्थान के इस्लामपुर निवासी सलमान खान और श्योपुर निवासी इरशाद खान के रूप में हुई है।

RTE में लापरवाही.. बदहाली पर छुट्टी के दिन सुनवाई, हाईकोर्ट ने खुद लिया संज्ञानराज्य सरकार से मांगा हलफनामा

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। हाईकोर्ट ने शिक्षा का अधिकार के तहत कक्षा पहली में प्रवेश प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है एक रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया और अवकाश के दिन विशेष सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने राज्य सरकार से हलफनामा मांगा है 8 अप्रैल को अगली सुनवाई होगी 38 हजार में से 16 हजार से अधिक आवेदन अब भी लंबित है। वहीं बिलासपुर में गंदगी और बदहाल व्यवस्था पर हाईकोर्ट सख्ती दिखाई है निगम आयुक्त को एक हफ्ते में काम पूरा करने का आदेश दिया है इस मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है। शिक्षा का अधिकार (ऋज्ञश्व) मामले में सुनवाई में सामने आया कि कुल 38,438 आवेदनों में से केवल 23,766 का ही सत्यापन हो पाया है जबकि 16 हजार से अधिक आवेदन अब भी लंबित हैं। कई जिलों में सत्यापन की स्थिति बेहद खराब है कोर्ट ने माना कि नोडल प्राचार्यों की धीमी कार्यप्रणाली के कारण पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। कोर्ट ने कहा कि 13 से 17 अप्रैल के बीच प्रस्तावित स्कूल आवंटन की लॉटरी प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है इससे अभिभावकों को अनावश्यक परेशानी होगी कोर्ट ने राज्य सरकार से विस्तृत हलफनामा मांगा है और अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 अप्रैल 2026 को होगी। इसी के साथ हाईकोर्ट ने बिलासपुर में गंदगी और अधूरी नाली निर्माण को लेकर भी सख्ती दिखाई। एक खबर पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और अधिकारियों को फटकार लगाई। मामला सिरगिट्टी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 (बन्नाक मोहल्ला) का है, जहां डेढ़ महीने से नाली निर्माण अधूरा पड़ा है। 10 फीट गहरी खुदाई के बाद काम रोक दिया गया, जिससे पानी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई और जल आपूर्ति ठप हो गई। इलाके में गंदगी और जलभराव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है गंदगी से बीमारी का खतरा, कोर्ट ने जताई चिंता अधूरी नाली में जमा गंदे पानी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।

सिंधिया का कल दौरा :नगर पालिका के वाहन से शहर में लगे भाजपा के झंडे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दौरे से पहले एक विवाद सामने आया है। शहर की थीम रोड पर नगर पालिका का स्ट्रीट लाइट सुधारने वाला वाहन भाजपा के झंडे और बैनर लगाते हुए दिखा। जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री का कल (5 अप्रैल) दौरा प्रस्तावित है वे शाम 7 बजे होटल पी.एस. में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे और इसके बाद ग्वालियर के लिए रवाना होंगे उनके स्वागत के लिए शहर में जगह-जगह झंडे और बैनर लगाए जा रहे थे। इसी दौरान नगर पालिका का शासकीय वाहन पोल पर भाजपा के झंडे लगाते हुए देखा गया। इसे लेकर स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी वाहन का उपयोग राजनीतिक प्रचार-प्रसार के लिए नहीं किया जा सकता। इस घटना में नियमों की अनदेखी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है नगर पालिका की नेता प्रतिपक्ष और वार्ड क्रमांक 34 की पार्षद शशि शर्मा ने कड़ी आपत्ति जताई है उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो जारी करते हुए कहा कि यह नगर पालिका के वाहन का दुरुपयोग है। यह वाहन स्ट्रीट लाइट सुधारने के लिए है न कि किसी राजनीतिक दल के प्रचार के लिए शर्मा ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कोंडागांव में बिजली गिरने से 5 मवेशियों की मौर्त, गरज-चमक के साथ आंधी-तूफान का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ में रविवार सुबह तेज बारिश हुई इसके कुछ समय बाद धूप खिल गई। तापमान में कमी से लोगों को गर्मी से राहत मिली है लेकिन उमस का भी सामना करना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों में भी प्रदेश की कुछ जगहों पर तेज आंधी और बारिश हुई है। मुख्य तौर पर नांगुर में 30 मिमी और जगदलपुर में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई वहीं कोंडागांव जिले में शनिवार को बिजली गिरने से 5 मवेशियों की मौत हो गई घटना ग्राम बेतबेड़ा के जंगल की है। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान दुर्ग में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4 दिनों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ की अलग-अलग जगहों पर बारिश गरज-चमक और आंधी-तूफान की स्थिति बने रहने की आशंका है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। रायपुर की बात करें तो 5 अप्रैल को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार, 32 नशीले इंजेक्शन के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

आईजी-एसपी के निर्देश पर लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई, तस्करी नेटवर्क पर सीधा वार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नशे के खिलाफ चिरमिरी पुलिस ने सख्त और निर्णायक अभियान चलाते हुए एक और बड़ी सफलता हासिल की है वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में लगातार हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से नशा तस्करों के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार हो रहा है। थाना पुलिस ने 6 नंबर गोलाई के पास घेराबंदी कर एक युवक और एक युवती को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 32 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए जिनकी कीमत लगभग 22 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार आरोपी विवेक पटेल से मिली जानकारी के आधार पर की गई। पूछताछ में अभिषेक समुंद्रे का नाम सामने आया था जो गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल तोड़कर फरार हो गया था मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज: दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) एवं 29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पूर्व भी पुलिस ने नशीले इंजेक्शन की तस्करी में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से नशा तस्करों में दहशत का माहौल है और उनका नेटवर्क कमजोर पड़ता नजर आ रहा है लगातार हो रही सख्त कार्रवाई से जहां अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है वहीं आम जनता का पुलिस पर भरोसा भी बढ़ा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विजय सिंह, एएसआई नयिम खान, महिला प्रधान आरक्षक रुकमणी बंजारे, आरक्षक विकास कुकुर एवं सैनिक प्रमोद साहू की सराहनीय भूमिका रही।

ओलावृष्टि-बारिश से फसलों को नुकसान,जिले में मौसम ने ली करवट

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में शाम मौसम ने अचानक करवट ली तेज बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की चिंता बढ़ गई है शहर सहित बदरवास और पिछोर तहसील क्षेत्रों में बादलों की गड़गड़ाहट और आकाशीय बिजली के साथ मूसलाधार बारिश हुई जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है जानकारी के अनुसार शिवपुरी शहर में देर शाम तेज बारिश शुरू हुई और आसमान में लगातार बिजली चमकती रही इसके बाद पिछोर तहसील के कई गांवों में भी भारी बारिश दर्ज की गई पिछोर नगर में चने के आकार के ओले गिरने की सूचना मिली है। शिवपुरी-कोलारस अनुविभाग के अकाझिरी, माढागणेशखेड़ा, डगपीपरी और देहरदा गुरूकुदवाया गांवों में लगभग 10 मिनट तक तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। इसी तरह बदरवास तहसील के ग्राम बामोरखुर्द में भी बारिश और ओले गिरे। पिछोर तहसील के बाचरौन, भरतपुर, सेमरी, भगवा और लभेड़ा जराय सहित कई गांवों में बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल और कटाई के बाद रखी उपज को भारी नुकसान होने की आशंका है।

पुलिस ने 146 गुंडा-बदमाशों की परेड कराई, कानून व्यवस्था मजबूत करने चेकिंग जारी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस ने पूरे जिले में निगरानी सूची में दर्ज गुंडों और बदमाशों की सघन चेकिंग की इसी क्रम में शनिवार को सरकंडा थाने में 146 गुंडा-बदमाशों की परेड कराई गई इस दौरान 34 निगरानी में रखे गए बदमाशों की भी पहचान और सत्यापन किया गया चेकिंग के दौरान पुलिस ने बदमाशों की वर्तमान गतिविधियों उनके आने-जाने और संपर्कों की बारीकी से जांच की उनके आय के स्रोतों की भी पड़ताल की गई ताकि यह पता चल सके कि वे किसी अपराध में शामिल तो नहीं हैं साथ ही उनके खिलाफ पहले दर्ज मामलों की भी समीक्षा की गई। यह देखा गया कि वे अदालत में समय पर हाज़िर हो रहे हैं या नहीं और उनके खिलाफ कोई लंबित वारंट तो नहीं है। सभी संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी गई है कि वे आगे किसी भी अपराध में शामिल न हों। अगर उन्होंने किसी तरह का अपराध किया तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी जरूरत पड़ने पर उनकी जमानत भी रद्द कराने के लिए न्यायालय में रिपोर्ट दी जा सकती है आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चेकिंग के दौरान जो निगरानी में रखे गए गुंडा-बदमाश नदारद रहे, उनकी तलाश अभी जारी है। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, 15 मामलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126, 129 और 135 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई और तीन वारंट भी तामील किए गए पुलिस ने बताया कि संदिग्ध लोगों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी बीच कोतवाली पुलिस ने टिकरापारा के खटिक मोहल्ला में मारपीट के मामले में सूजी और अमन सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया। तोरवा क्षेत्र में चाकूबाजी के मामले में हर्ष कुकरेजा और राकेश ध्रुव को धारदार चाकू के साथ पकड़ा गया सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर में मौसम वैज्ञानिक के अनुसार रात और अगले दो दिन भी बारिश की संभावना

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर मे सुबह फुहारों के साथ हुई बारिश जिससे शहर के मौसम में बदलाव आया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई मौसम विभाग ने रात में भी बारिश की संभावना जताई है साथ ही अगले दो दिनों तक भी बारिश होने का अनुमान है। सुबह लगभग 6:15 बजे बिलासपुर में अचानक 5 से 7 मिनट तक तेज बारिश हुई। बारिश के बाद कुछ समय के लिए धूप खिली लेकिन कुछ ही घंटों में आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई जिससे मौसम फिर से सुहावना हो गया बारिश के कारण तापमान में कमी आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली हालांकि शहर में उमस बरकरार रही। बिलासपुर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार एक द्रोणिका 0.9 किलोमीटर की ऊंचाई से गुजर रही है, जिसके प्रभाव से रात में भी बारिश हो सकती है। यह मौसमी प्रणाली अगले दो दिनों तक सक्रिय रहने की संभावना है ।

गेहूं की तुलाई में देरी, कटाई का खर्च भी बढ़ाः रायसेन में मौसम की मार और आग की घटनाएं

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के किसान इस समय कई मोर्चों पर जूझ रहे हैं। फसल तैयार होने के बावजूद कटाई से लेकर बिक्री तक हर चरण में दिक्कतें सामने आ रही हैं। डीजल की कमी, बढ़ती गर्मी, आगजनी की घटनाएं और मौसम की मार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।, गेहूं की कटाई शुरू होते ही तेज गर्मी के कारण आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। जिले में अब तक करीब 300 एकड़ से अधिक खड़ी फसल जलकर नष्ट हो चुकी है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।पिछले एक सप्ताह से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। कई इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि होने से फसल प्रभावित हुई है। इससे इस साल उत्पादन घटने की आशंका जताई जा रही है।

डीजल की कमी के चलते महंगी हुई कटाईः इस साल फसल कटाई का खर्च भी किसानों पर भारी पड़ रहा है। हार्वेस्टर संचालकों ने किराए में 500 से 1000 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। मेहगांव के किसान बृजेंद्र बघेल के अनुसार, पिछले साल जहां एक टैंक के लिए करीब 1000 रुपए खर्च होते थे, वहीं इस बार 1500 से 2000 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। प्रति एकड़ कटाई का खर्च भी 1500 से 2000 रुपए तक पहुंच गया है। किसानों का कहना है कि डीजल की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। डीजल महंगा होने के साथ सीमित मात्रा में मिल रहा है, जिससे कटाई की रफ्तार भी धीमी हो गई है।

खरीदी केंद्र शुरू नहीं होने से किसान परेशान3 स्थिति को और गंभीर बनाते हुए अभी तक सरकारी खरीदी केंद्र शुरू नहीं हो पाए हैं। इससे किसान अपनी उपज बेच नहीं पा रहे हैं। जिन किसानों के घरों में शादी या कर्ज चुकाने जैसी जिम्मेदारियां हैं, उनकी परेशानी और बढ़ गई है। मार्च के बाद कई किसान कर्ज की किश्तें नहीं चुका पाए हैं, जिससे वे ओवरड्यू हो गए हैं। अब फसल नुकसान और बिक्री में देरी के कारण उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जा रही है।

स्मार्ट खेती के साथ फसल चयन के लिए बनेगा रोडमैप

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। शहर के दशहरा मैदान में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कृषि महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन को किसान-केंद्रित बनाया जाए। व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि महोत्सव में स्मार्ट खेती के साथ ही फसल चयन के लिए भी रोडमेप बनेगा। इस दौरान उन्होंने विदिशा-रायसेन संसदीय क्षेत्र के किसानों को आमंत्रित करने के लिए 8 प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने जिले के प्रबुद्धजनों, व्यापारियों, समाजसेवियों, संगठनों से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। कृषि महोत्सव का शुभारंभ 11 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। 13 अप्रैल को समापन समारोह में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी शामिल होंगे।कृषि महोत्सव की प्रदर्शनी का उद्घाटन 10 अप्रैल की शाम को किया जाएगा। इसके लिए दशहरा मैदान में तीन बड़े पंडाल तैयार किए गए हैं। यहां अन्य जिलों और प्रदेशों से आने वाले किसानों के ठहरने और भोजन की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन करीब 20 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारियों ने ली बच्चों की क्लास

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार 'स्कूल चले हम अभियान' एवं 'भविष्य से भेंट कार्यक्रम' के अंतर्गत जिले के सभी अधिकारियों ने अलग-अलग शासकीय स्कूलों में पहुंचकर बच्चों की क्लास ली और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। इस दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं नियमित अध्ययन के महत्व के बारे में बताया। अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर बच्चों को उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक भी किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार 'स्कूल चले हम अभियान' के अंतर्गत जिले में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ड्रॉपआउट दर को कम करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधनी जनपद के ग्राम जोशीपुर में गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर चल रहे स्वच्छता सेवा कार्य में श्रमदान किया। इस दौरान उन्होंने दादा गुरुजी से भी भेंट की। दादा गुरूजी ने मिट्टी के औषधीय गुणों पर प्रकाश डालते हुए सभी को प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया। मंत्री पटेल ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को एक निरंतर चलने वाला जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह प्रयास किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष महेंद्र सिंह शर्मा, एसडीएम दिनेश सिंह तोमर, तहसीलदार ललित सोनी, जनपद सीईओ श्रीमती सुप्रिया दुफरे सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री लोधी ने भावसिंह पुरा में नाला गहरीकरण के लिए श्रमदान किया

मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने शनिवार शाम को ग्राम भावसिंहपुरा में आयोजित कार्यक्रम में नाला गहरीकरण के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर खण्डवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक नारायण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज कुमार राय, वन मंडल अधिकारी राकेश डामोर, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष सेवा दास पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे। प्रभारी मंत्री लोधी ने इस अवसर पर कहा कि खंडवा जिले में गत वर्ष जल संरक्षण के लिए सराहनीय कार्य किए गए। जिससे खंडवा जिले का नाम देश और प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने ग्राम भावसिंहपुरा के ग्रामीणों की समस्या को ध्यान में रखते हुए गांव की पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए। प्रभारीमंत्री लोधी ने इस अवसर पर कहा कि वर्षा के पानी को व्यर्थ बहने नहीं देना है। वर्षा के पानी को रोक कर हम गांव का भूजल स्तर बढ़ा सकते हैं। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को वर्षा का पानी रोकने, और पानी का अपव्यय न करने के लिए प्रेरित किया।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है।

रायसेन कृषि मेले की सूचनाएं देने हेतु प्रचार रथ रवाना 11 से 13 अप्रैल तक होगा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और उन्नत खेती के तरीकों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कृषि मेले सह कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के प्रचार-प्रसार के लिए आज कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने रथ को रवाना करते हुए जिले के किसानों से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि आगामी 11 से 13 अप्रैल तक रायसेन में राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कृषि क्षेत्र से जुड़े नवीनतम उपकरण, उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक और विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यह मेला किसानों के लिए अपनी आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।विधायक टंडन ने कहा कि प्रचार रथ के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को मेले के बारे में जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक कृषक इस आयोजन का लाभ उठा सकें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मेले में पहुंचकर विशेषज्ञों से सीधे संवाद करें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, कृषि विभाग के उप संचालक केएस खपड़िया, सहायक संचालक महेंद्र सिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा मेले में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक खपडिया ने बताया कि प्रचार रथ निर्धारित रूट अनुसार जिले की पांचो विधानसभाएं क्रमशः विदिशा, बासौदा, कुरवाई, सिरोंज एवं शमशाबाद में क्रमशः चार से दस अप्रैल तक भ्रमण करेगा हर विधानसभा में हर रोज कम से कम दस-दस ग्राम पंचायतो में पहुंचेगा इसके अलावा हाट बाजारो सहित अन्य शासकीय भव्य आयोजन स्थलो पर पहुंचकर कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए रायसेन में सम्मिलित होने का आव्हान करेगा।

एक-दूसरे से पीछे से टकराए 2 वाहन सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई मेटाडोर

फिर तीसरी ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, उमरिया (निप्र)। उमरिया जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 43 पर तीन वाहनों की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक मेटाडोर का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया।यह घटना रविवार को हुई। जानकारी के अनुसार, एक ट्रक (एमपी 13 जी बी 2813)

में अचानक खराबी आ गई। इसके बाद पीछे से आ रही एक मेटाडोर (एमपी 21 जी 0698) उससे टकरा गई। इसी क्रम में, पीछे से आ रही एक और मेटाडोर (एमपी 21 जी 2443) भी इन वाहनों से जा टकराई।

मंदसौर में आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते 2 सटोरी गिरफ्तार 9200 रुपए नकद, 2 मोबाइल और 1.50 लाख का हिसाब जब्त

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले की दलौदा पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आईपीएल (दिल्ली बनाम मुंबई) मैच पर सट्टा लगाते दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9,200 रुपए नकद, 2 मोबाइल फोन और लगभग 1.50 लाख रुपए के सट्टे का हिसाब-किताब जब्त किया है।पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत हुई इस कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली बनाम मुंबई मैच पर लगा रहे थे दांवः एसपी विनोद कुमार मीणा के निर्देशन और दलौदा थाना प्रभारी शुभम व्यास के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दलौदा थाना क्षेत्र में दबिश दी थी। मौके पर दो व्यक्ति आईपीएल के दिल्ली बनाम मुंबई मैच पर हार-जीत का सट्टा लगाते पाए गए, जिन्हें पुलिस टीम ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

1.50 लाख का हिसाब और 9200 नकद जब्तः पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ईश्वर (पिता रामेश्वर) और मुकेश (पिता गोपाल परिहार) के रूप में की है। पुलिस ने इनके कब्जे से सट्टे में इस्तेमाल किए जा रहे दो मोबाइल फोन, 9,200 रुपए नकद और करीब डेढ़ लाख रुपए के सट्टे के लेन-देन का हिसाब-किताब बरामद किया है।

मुख्यालय के निर्देश पर चल रहा अभियानः यह कार्रवाई मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (भोपाल) के निर्देश पर चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी अभियान का हिस्सा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जुआ, सट्टा और आबकारी जैसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इटारसी के तवा नगर में ओले गिरे बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ी, होगा नुकसान

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। शनिवार को इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह इटारसी शहर में हल्की बारिश दर्ज की गई। शाम करीब 5:30 बजे तवा नगर क्षेत्र में बेमौसम तेज बारिश के साथ चने के आकार के ओले गिरे। यह बारिश लगभग 10 मिनट तक हुई, जिसमें से 2 मिनट तक ओलावृष्टि भी शामिल थी। अचानक बदले मौसम से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में खड़ी फसलें और कटाई के बाद खुले में रखी उपज को नुकसान का खतरा पैदा हो गया है। तवा नगर में तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण सड़कों पर पानी भर गया, जिससे स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

किसानों को नुकसान की उम्मीदः इटारसी शहर के आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी बेमौसम बारिश हुई। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं और चने की फसल कटाई के दौर में है। ऐसे में बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। किसानों ने आशंका जताई है कि यदि मौसम इसी तरह खराब बना रहा, तो उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। अचानक हुई इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने एक बार फिर किसानों की उम्मीदों पर अनिश्चितता के बादल ला दिए हैं।

सीहोर में धूप के बाद बारिश-ओलावृष्टि, मौसम बदला

वेस्टर्न डिस्टरबेंस और नमी से कई इलाकों में हुई बेमौसम बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में बीते 24 घंटों के दौरान मौसम में बड़ा बदलाव देखा गया। तेज धूप और गर्मी के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और कई इलाकों में ओलावृष्टि के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सिस्टम और लगातार आ रही नमी के कारण यह परिवर्तन आया है।इस दौरान, तेज धूप ने जहां लोगों को परेशान किया, वहीं बाद में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि भी दर्ज की गई। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम का प्रभाव अधिक रहा, जहां काफी देर तक हवाएं चलीं, तेज बारिश हुई और कुछ समय के लिए ओलावृष्टि भी हुई।बेमौसम बारिश को लेकर मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक मौसम के मिलाजुले रहने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी कभी धूप तो कभी बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।उल्लेखनीय है कि सीहोर जिले में इस साल कई बार बेमौसम बारिश हुई है। 19 फरवरी को सीहोर में 5 एमएम बारिश दर्ज की गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी को 1 एमएम बारिश हुई। 20 मार्च को 2 एमएम और 2 अप्रैल को 20 एमएम बारिश दर्ज की गई। हाल ही में, 3 अप्रैल को भेरूंदा में 8 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

जनपद पंचायत सिरोंज में स्व सहायता समूहों की पहल, नरवाई प्रबंधन को मिल रही गति

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सिरोंज जनपद पंचायत में स्व सहायता समूहों द्वारा नरवाई प्रबंधन को लेकर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित समूह किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक कर रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सिरोंज क्षेत्र में गंगा बाई सरस्वती स्व सहायता समूह करईखेड़ा सक्रिय रूप से इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। ये समूह ग्राम गरेठा एवं भौरा क्षेत्र में किसानों के साथ मिलकर नरवाई प्रबंधन के कार्य कर रहे समूह की महिलाओं द्वारा स्ट्रॉ रीपर एवं रोटावेटर जैसी मशीनों के माध्यम से खेतों में नरवाई का प्रबंधन किया जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार , इन समूहों के पास 48 एचपी तक के ट्रैक्टर और स्ट्रॉ प्रबंधन से जुड़ी मशीनें उपलब्ध हैं, जिससे बिना नरवाई जलाए खेत की नरवाई से भूसा तैयार किया जा रहा है।

युवक गंभीरः कब्जे के बाद रास्ते में रोककर मारपीट, केस दर्ज

सीतामऊ में जमीन विवाद पर लाठी से हमला

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सीतामऊ क्षेत्र में शनिवार को जमीन और रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। ग्राम सालरिया निवासी 35 वर्षीय मुकेश पिता भंवरलाल खारोल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह खेती-किसानी करता है और पिछले करीब 20 वर्षों से अपनी सास की जमीन पर खेती कर रहा था।मुकेश के अनुसार, उसके साले भैरूलाल पिता मांगीलाल ने उक्त जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया था, ऐसे में दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई थी।मुकेश ने बताया कि वह घर जा रहा था तभी रास्ते में बाइक खड़ी थी। बाइक हटाने को कहा तभी भैरूलाल वहां आया और गाली-गलौज करने लगा।

बीना में आकाशीय बिजली से पिता-बेटी झुलसे गेहूं-चना की फसल को नुकसान की आशंका,बारिश के साथ गिरे ओले

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना में वैशाख माह के दौरान अचानक मौसम में बदलाव आया। तेज गर्मी के बजाय बारिश और ओले गिरे, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। इस दौरान खिमलासा के करमपुर गांव में बिजली गिरने से एक पिता और उनकी बेटी मामूली रूप से झुलस गए।

शनिवार रात को मौसम ने अचानक करवट ली। तेज गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि शुरू हो गई, जिससे शहर की बिजली गुल हो गई और अंधेरा छा गया। चने के दाने के आकार के ओले गिरने से सड़कों पर वाहनों की आवाजाही थम गई। तेज वर्षा और ओलावृष्टि के कारण सड़कों पर पानी भर गया। ओलावृष्टि के बाद रात के वातावरण में ठंडक महसूस की गई। रात भर कई बार बादल गरजे और बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रात का मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहा, जिसने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई।किसान शिवराज सिंह यादव ने बताया कि अचानक बदले मौसम से किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस समय फसलों की कटाई और भंडारण का काम चल रहा है। बारिश और नमी से फसलों को नुकसान होने की आशंका है।

खिमलासा थाना क्षेत्र के करमपुर गांव में बिजली गिरने की घटना भी सामने आई। राहुल कुशवाहा अपनी 9 माह की बेटी के साथ कच्चे घर में थे, तभी तेज हवाओं और बादलों की गर्जना के बीच अचानक बिजली गिरी। इस हादसे में बच्ची की आंख पर चोट आई, जबकि राहुल के दोनों पैर और कमर जल गए। घटना के बाद कोटवार और सचिव ने मौके का निरीक्षण किया। घायल पिता-पुत्री को खिमलासा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

जनपद पंचायत सिरोंज में स्व सहायता समूहों की पहल, नरवाई प्रबंधन को मिल रही गति

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। सिरोंज जनपद पंचायत में स्व सहायता समूहों द्वारा नरवाई प्रबंधन को लेकर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित समूह किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक कर रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सिरोंज क्षेत्र में गंगा बाई सरस्वती स्व सहायता समूह करईखेड़ा सक्रिय रूप से इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। ये समूह ग्राम गरेठा एवं भौरा क्षेत्र में किसानों के साथ मिलकर नरवाई प्रबंधन के कार्य कर रहे समूह की महिलाओं द्वारा स्ट्रॉ रीपर एवं रोटावेटर जैसी मशीनों के माध्यम से खेतों में नरवाई का प्रबंधन किया जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार , इन समूहों के पास 48 एचपी तक के ट्रैक्टर और स्ट्रॉ प्रबंधन से जुड़ी मशीनें उपलब्ध हैं, जिससे बिना नरवाई जलाए खेत की नरवाई से भूसा तैयार किया जा रहा है। महिलाओं ने बताया कि इस पहल से जहां पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं किसानों की लागत भी कम हो रही है और मिट्टी की उर्वरता शक्ति बनी हुई है। धीरे-धीरे क्षेत्र के अन्य किसान भी इस मॉडल को अपनाने लगे हैं।

बीसीसीआई के साथ संबंध सुधारने और द्विपक्षीय सीरीज के लिए बीसीबी ने की खास बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को भारत के साथ क्रिकेट संबंधों की समीक्षा के लिए एक बैठक की। इस बैठक में यह पुष्टि की गई कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को आगामी द्विपक्षीय दौरों और भविष्य में सहयोग के अवसरों के संबंध में औपचारिक संदेश भेजा गया है। इससे पहले, बीसीबी ने द्विपक्षीय दौरों और सीरीज के संबंध में बीसीसीआई को एक ईमेल लिखा था। आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार, भारत को बांग्लादेश के खिलाफ एक सीरीज खेलनी है। भारतीय पुरुष टीम का सितंबर 2026 में बांग्लादेश का दौरा करने का कार्यक्रम है। इस दौरे में छह मुकाबलों की व्हाइट-बॉल सीरीज खेली जाएगी, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल होंगे। यह दौरा पहले अगस्त 2025 के लिए निर्धारित था, लेकिन कार्यक्रम और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के कारण इसे टाल दिया गया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को एक प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अब दोनों बोर्डों के बीच अंतिम कार्यक्रम की पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। कुछ महीने पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को निर्देश दिया था कि वह अपने 2026 के अपने स्क्वॉड से बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान (जिन्हें 9.2 करोड़ में खरीदा गया था) को रिलीज कर दे। इस फैसले से बांग्लादेश सरकार और जनता खुश नहीं थी, और बीसीबी ने इसका जवाब देते हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी टीम के मुकाबलों को भारत से हटाकर श्रीलंका में आयोजित करने की मांग की थी। बीसीबी ने इसके पीछे अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया था।

हालांकि, बार-बार समीक्षा किए जाने के बावजूद, आईसीसी ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। आईसीसी ने कहा था कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए किसी भी तरह के विश्वसनीय सुरक्षा खतरे के कोई संकेत नहीं हैं। इसके बाद बांग्लादेश ने टूर्नामेंट का बहिष्कार करने का फैसला किया था और उनकी जगह पर स्कॉटलैंड की एंट्री हुई थी। हालांकि, अंत में आईसीसी और बीसीबी के बीच हुई बातचीत के बाद मामला सुलझ गया था और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भारी जुर्माने से बच गया था। इसके साथ ही साल 2028 में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने के अधिकार को भी नहीं छीना गया है। बांग्लादेश ने अपने देश में आईपीएल मुकाबलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया था, हालांकि, हाल ही में इस प्रतिबंध को हटा दिया गया है।

छेत्री और भूटिया के गोल से बेंगलुरु एफसी की जीत, टॉप-4 की रेस हुई रोमांचक

एफसी गोवा ने बनाए मौके, लेकिन नहीं कर सके गोल

गोल खाने के बाद एफसी गोवा ने वापसी की कोशिश की और कई मौके भी बनाए। संदीप झिंगन का हेडर मामूली अंतर से बाहर चला गया, वहीं ब्रिसन फर्नांडिस ने दूर से शॉट लगाया जिसे गुरप्रीत सिंह संधू ने रोक लिया। 17वें मिनट में पोल मोरेनो का हेडर पोस्ट से टकरा गया, जो गोवा का सबसे अच्छा मौका था।

दूसरे हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला

दूसरे हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। बेंगलुरु ने काउंटर अटैक में मौके बनाए, जबकि गोवा ने सेट पीस के जरिए गोल करने की कोशिश की। हालांकि दोनों टीमों की डिफेंस ने अच्छा प्रदर्शन किया और लंबे समय तक कोई गोल नहीं हुआ।

आखिरी मिनटों में नामग्याल भूटिया ने पक्की की जीत

मैच के इंजरी टाइम में सब्स्टीट्यूट Namgyal Bhutia ने गोल कर बेंगलुरु की जीत पक्की कर दी। लालरेमटलुआंगा फनाई के पास पर भूटिया ने बॉक्स के दाईं ओर से शानदार फिनिश किया और स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद एफसी गोवा वापसी नहीं कर सकी और बेंगलुरु ने मैच जीत लिया।

टॉप-4 की रेस हुई और रोमांचक

इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी टॉप-4 की रेस में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। टीम अब मुंबई सिटी एफसी, मोहुन बागान और जमशेदपुर एफसी के बराबर अंकों पर पहुंच गई है। आने वाले मुकाबले प्लेऑफ की तस्वीर साफ करेंगे।

बेंगलुरु, एजेंसी। एफसी ने इंडियन सुपर लीग 2025-26 के एक अहम मुकाबले में एफसी गोवा को 2-0 से हराकर टॉप-4 की रेस में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं एफसी गोवा 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गई है। इस मैच में रयान विलियम्स को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच की शुरुआत में ही सुनील छेत्री ने दिलाई बढ़त: बेंगलुरु एफसी ने मैच की शानदार शुरुआत की और तीसरे ही मिनट में कप्तान Sunil Chhetri ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। ब्रायन सांचेज और आशिक कुरुनियन के शानदार मूव के बाद छेत्री को मौका मिला, जिसे उन्होंने शानदार राइट फुट शॉट से गोल में बदल दिया।

राजधानी दिल्ली में मुंबई पस्त: समीर रिजवी का तूफान, 90 रनों की पारी से दिल्ली की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने अपना विकासात्मक प्रदर्शन जारी रखते हुए मुंबई इंडियंस को उनके घरेलू मैदान के बाद अब अपने घर में भी पटखनी दे दी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 162 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया था, जिसे दिल्ली ने 18.2 ओवरों में ही 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। समीर रिजवी- इम्पैक्ट प्लेयर से मैच विनर तक का सफर

दिल्ली की जीत के सबसे बड़े नायक समीर रिजवी रहे। रिजवी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया।

शानदार पारी: रिजवी ने मात्र 51 गेंदों में 90 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके शामिल थे।

साझेदारी: उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 78 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

उपलब्धि: यह रिजवी का इस आईपीएल सीजन का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक है, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और सकारात्मक खेल शैली को दर्शाता है।

मुंबई इंडियंस : सूर्यकुमार की कप्तानी और संघर्ष नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के पूरी तरह फिट न होने के कारण आज टीम की कमान सूर्यकुमार यादव ने संभाली।

बल्लेबाजी : सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 35 और नमन धीर ने 28 रनों का योगदान दिया।

गेंदबाजी चुनौती : मिचेल सैंटनर ने बल्ले से नाबाद 18 रन बनाने के अलावा पाथुम निसांका (44 रन) का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया, लेकिन रिजवी के तूफान के आगे मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण बेअसर साबित हुआ।

दिल्ली की सधी हुई गेंदबाजी: दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही मुंबई पर दबाव बनाए रखा। मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके। उनके अलावा अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, विपराज निगम और टी नटराजन ने 1-1 विकेट लेकर मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुँचने से रोका।

मैच के टर्निंग पॉइंट्स रिजवी की एंट्री : इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए रिजवी ने खेल का रुख पूरी तरह दिल्ली की ओर मोड़ दिया।

कैच का महत्व - मयंक मार्कंडे ने पाथुम निसांका का शानदार कैच लपका, लेकिन रिजवी और मिलर की साझेदारी ने मुंबई की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं।

आईपीएल की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का रोमांच 28 मार्च से शुरू हो गया है। इस लीग में आमतौर पर बल्लेबाजों का राज रहता है और इस लीग में जमकर चौके-छक्के लगते हैं। आइए आपको उन शीर्ष बल्लेबाजों के नाम जानते हैं, जिन्होंने एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाए। क्रिस गेल- आईपीएल की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने साल 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 66 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेली थी। अपनी इस इनिंग के दौरान गेल ने 13 चौके और 17 छक्के लगाए थे। गेल की यह पारी आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी पारी भी है। ब्रैंडन मैकुलम- इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के पहले मुकाबले में ब्रैंडन मैकुलम ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से जमकर धमाल मचाया था। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से खेलते हुए मैकुलम ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 73 गेंदों में 158 रनों की लाजवाब पारी खेली थी। अपनी इस पारी के दौरान मैकुलम ने 13 छक्के लगाए थे।

क्रिस गेल- आईपीएल 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में क्रिस गेल ने 13 छक्के लगाए थे। उन्होंने 62 गेंदों में 128 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, 2015 में गेल ने किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ खेलते हुए 84 गेंदों में 117 रन बनाए थे और अपनी इस पारी में 12 छक्के लगाए थे।

एबी डिविलियर्स- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए एबी डिविलियर्स ने आईपीएल 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ 78 गेंदों में 129 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। डिविलियर्स ने अपनी इस पारी में 12 छक्के लगाए थे। विराट कोहली के साथ मिलकर डिविलियर्स ने दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 229 रनों की साझेदारी निभाई थी।

सनत जयसूर्या- आईपीएल के पहले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सनत जयसूर्या ने 48 गेंदों में 114 रनों की शानदार पारी खेली थी। जयसूर्या ने अपनी इस पारी में 11 छक्के लगाए थे। वहीं, मुरली विजय ने आईपीएल 2010 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली 127 रनों की पारी में भी 11 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 - रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात के जबड़े से छीनी जीत, आखिरी ओवर में तुषार देशपांडे का कातिल स्पेल

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शनिवार सांसे रोक देने वाला मुकाबला खेला गया। गुजरात टाइटंस (GT) की टीम एक समय जीत की दहलीज पर खड़ी थी, लेकिन आखिरी 5 ओवरों में राजस्थान रॉयल्स (RR) के गेंदबाजों ने ऐसी वापसी की कि बाजी पलट गई। राजस्थान ने यह मुकाबला 6 रनों के करीबी अंतर से अपने नाम कर लिया। क्लाइमैक्स : तुषार देशपांडे ने बचाए 11 रन मैच का आखिरी ओवर किसी हॉलीवुड थ्रिलर से कम नहीं था। गुजरात को जीत के लिए 6 गेंदों पर 11 रनों की दरकार थी। स्ट्राइक पर मैजिशियन राशिद खान थे।

पहली गेंद : वाइड (तनाव बढ़ा)।

अगली 3 गेंदें : सिर्फ 3 सिंगल आए।

4थी गेंद : डॉट बॉल (दबाव गुजरात पर)।

5वीं गेंद : राशिद खान कैच आउट! तुषार ने गुजरात की आखिरी उम्मीद तोड़ दी।

आखिरी गेंद : कोई रन नहीं। तुषार ने शानदार तरीके से स्कोर डिफेंड किया।

ध्रुव-यशस्वी का पावर प्ले

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने स्कोरबोर्ड पर 210 रनों का विशाल लक्ष्य टांग दिया।

ध्रुव जुरेल : 75 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मिनर्वा एकेडमी ने लिवरपूल एफसी को रौंदा

MIC कप में दुनिया के शीर्ष फुटबॉल क्लब पर 6-0 की ऐतिहासिक जीत के साथ विश्व फुटबॉल को चौंकाया

चंडीगढ़, एजेंसी। युवा फुटबॉल की सीमाओं से कहीं आगे गूंजने वाले एक ऐतिहासिक मुकाबले में, मिनर्वा अकादमी ने भारतीय फुटबॉल इतिहास की सबसे यादगार जीतों में से एक दर्ज करते हुए प्रतिष्ठित स्ब्रुष्ट कप के राउंड ऑफ 16 में इंग्लैंड के दिग्गज क्लब लिवरपूल एफसी को 6-0 से हरा दिया। गेगेनप्रेसिंग के जनक माने जाने वाले लिवरपूल के खिलाफ, मिनर्वा के युवा वॉरियर्स ने सिर्फ मुकाबला ही नहीं किया, बल्कि उन्हें हर पहलू में पीछे छोड़ दिया। हैरान करने वाली बात यह रही कि इस मुकाबले में असली मास्टर्स ऑफ गेगेनप्रेसिंग मिनर्वा ही साबित हुए।मैच की शुरुआत से ही मिनर्वा ने जबरदस्त हाई-प्रेसिंग रणनीति अपनाई, जिससे लिवरपूल की बिल्ड-अप

पूरी तरह ठप हो गई। भारतीय टीम की तीव्रता, संगठन और जीत की भूख ने इंग्लिश अकादमी को पूरे मैच में लय बनाने का कोई मौका नहीं दिया। मिनर्वा को शुरुआती बढ़त जल्दी मिल गई, जिसने पूरे मुकाबले की दिशा तय कर दी। आज़म खान ने पहला गोल दागा और बाद में दूसरा गोल कर अपना शानदार ब्रेस पूरा किया, जिससे टीम की आक्रामक धार साफ नजर आई। अमरसन ने भी शानदार गोल कर लिवरपूल की मुश्किलें बढ़ाई, जबकि मिनर्वा का अटैक लगातार सटीकता और तेजी के साथ विपक्षी रक्षा को तोड़ता रहा।

इस मैच के सबसे बड़े नायक रहे राज, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाकर मिनर्वा के दबदबे को पूरी तरह स्थापित कर दिया। उनकी मूवमेंट, संयम और फिनिशिंग ने लिवरपूल की डिफेंस को पूरी तरह बेबस कर दिया।

अंतिम सीटी के साथ स्कोरबोर्ड 6-0 दिखा – एक ऐसा नतीजा जो लिवरपूल जैसे बड़े क्लब के खिलाफ लगभग अकल्पनीय था। इस जीत ने मिनर्वा अकादमी को टूर्नामेंट की शीर्ष टीमों में मजबूती से स्थापित कर दिया है। यह सिर्फ एक जीत नहीं थी, बल्कि पहचान, सोच और आत्मविश्वास का प्रदर्शन था। आधुनिक प्रेसिंग फुटबॉल के अग्रदूतों के खिलाफ, मिनर्वा ने अपनी रणनीति को बेहतरीन तरीके से लागू कर अपनी परिपक्वता साबित की। इस शानदार जीत के साथ मिनर्वा का गोल स्कोर लगातार बढ़ता जा रहा है।

राज्यपाल रमेन डेका ने ग्राम बेहराखार जाकर विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर समुदायों से की आत्मीय मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने जशपुर जिला के कुनकुरी विकासखंड के बेहराखार ग्राम का दौरा कर विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर समुदाय के लोगों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके रहन-सहन, जीवनशैली को नजदीक से समझा और उनसे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। राज्यपाल ने बिरहोर समुदाय के लोगों से चर्चा करते हुए विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि विशेष पिछड़ी

जनजाति समुदायों तक सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और वे मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने बिरहोर समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर दिया जोर दिया।

राज्यपाल रमेन डेका ने बिरहोर समुदाय के लोगों से संवाद करते हुए उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह देते हुए कहा कि बीमारी की स्थिति में अस्पताल या स्वास्थ्य शिविरों में जाकर समय पर उपचार कराना चाहिए। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि बिरहोर समुदाय को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए, ताकि उन्हें रोजगार के अवसर मिल सकें और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए संचालित पीएम जनमन योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि इन क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे लोगों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण हो सके। साथ ही उन्होंने बच्चों के लिए टीकाकरण को अनिवार्य बताते हुए सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को समय पर वैक्सीन लगवाने की अपील की। राज्यपाल डेका ने बिरहोर समुदाय के लोगों को अपने घरों में पढ़ाई के लिए एक अलग कोना बनाने की सलाह दी, जिससे बच्चों को अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके और वे अधिक प्रेरित हों। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि बिरहोर समुदाय द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों का वैल्यू एडिशन किया जाए, ताकि उनके उत्पादों को बाजार में उचित मूल्य मिल सके।

बिहान योजना से सशक्त हुई महिलाएं

बैंक सखी बन संज्योति चौहान ने बनाई आत्मनिर्भरता की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में बिहान योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आजीविका के नए अवसर विकसित कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम टांगरगाँव की संज्योति चौहान ने बैंक सखी के रूप में कार्य कर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। वे चांदनी स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली। चौहान वर्ष 2019 से ग्रामीण बैंक से संबद्ध बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। वे किराना दुकान

के साथ-साथ बैंकिंग सेवाएं भी प्रदान कर रही हैं। उनके द्वारा प्रतिमाह लगभग 8 से 9 लाख रुपये तक का लेन-देन किया जाता है, जिससे उन्हें औसतन 3 से 4 हजार रुपये की आय प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त वे डिजिटल भुगतान, बीमा एवं अन्य वित्तीय सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने बताया कि बैंक सखी के रूप में कार्य प्रारंभ करने के लिए उन्होंने स्व सहायता समूह के माध्यम से 68 हजार रुपये का ऋण लिया, जिससे उन्हें यह कार्य शुरू करने में सहायता मिली। आज वे आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हैं। संज्योति चौहान की यह सफलता दर्शाती है कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और समाज में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर सकती हैं।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 13.22 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ओड़गी और भैयाथान विकासखंड में 13.22 करोड़ रूपये से अधिक लागत के तीन अहम विकास कार्यों का

विधिवत पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया। मंत्री राजवाड़े ने विकासखंड ओड़गी के ग्राम हरिहरपुर (छतरंग रोड) में कागज नाला पर 419.37 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

राजवाड़े ने भैयाथान विकासखंड के ग्राम सांवरावा में 136.23 लाख रूपये की लागत से जलाशय जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया । उन्होंने प्रतापपुर-भैयाथान मुख्य मार्ग से परसापारा तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया, जिसकी लागत 766.37 लाख रूपये है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

लघु धान्य रागी से समृद्धि की ओर बढ़ती शकुन बाई कुजांम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य और केन्द्र सरकार लघु धान्य जैसे रागी, कोदो, कुटकी जैसे फसलों को बढ़ावा देने किसानों विशेष अभियान चलाकर जागरूक कर रही है, इसी कड़ी में धमतरी विकासखंड के ग्राम उरपुटी की महिला कृषक शकुन बाई कुजांम लघु धान्य फसल रागी का उत्पादन कर प्रगतिशील किसानों की श्रेणी में शामिल हो गई है।

गौरतलब है कि कुंजाम ने परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मेहनत, लगन और कृषि विभाग के मार्गदर्शन से सफलता की एक प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की है। शकुन बाई के पास कुल 7 एकड़ कृषि भूमि है, जो ट्यूबवेल से

सिंचित है। उनके पास ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीड ड्रिल, मल्टी क्रॉप थ्रेसर एवं रीपर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। उनके परिवार के 5 सदस्य खेती में सक्रिय सहयोग करते हैं, जिससे कृषि कार्य व्यवस्थित ढंग से संचालित हो पाता है।

शकुन बाई ने बताया कि रबी सीजन में 3 एकड़ क्षेत्र में लघु धान्य फसल रागी (छत्तीसगढ़ रागी-2) की खेती की। उन्होंने बीजोपचार के लिए बीजामृत, तथा खाद के रूप में वर्मी कम्पोस्ट, डीएपी, पीएसबी एवं केएसबी का उपयोग किया। वैज्ञानिक विधियों से की गई खेती के परिणामस्वरूप उन्हें 28.50 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। कुछ वर्ष पहले बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत रागी की खेती से उन्हें 5200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कुल 1,48,200 रुपये की आय हुई। इस उत्पादन में कुल लागत 27,000 रुपये रही, जिससे उन्हें 1,21,200 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित आत्मा कार्यक्रम के तहत उन्हें निरंतर मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने फसल चक्र परिवर्तन और लघु धान्य फसलों की खेती को सफलतापूर्वक अपनाया। फसल कटाई के बाद वे ग्रीष्मकालीन जुताई भी करती हैं, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है। इस प्रेरक सफलता की जानकारी मिलने पर जिले के कलेक्टर अबिनाश मिश्रा स्वयं शकुन बाई के घर पहुंचे और उनकी खेती-किसानी के संबंध में बातचीत की।

राजधानी रायपुर में इस साल बनेंगे 4 फ्लाईओवर्स

लोक निर्माण विभाग ने चारों फ्लाईओवर्स के लिए मंजूर किए हैं 360 करोड़

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर में इस साल 4 फ्लाईओवर्स के काम शुरू होंगे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने चारों फ्लाईओवर्स के लिए कुल 360 करोड़ 35 लाख 93 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इन फ्लाईओवर्स के निर्माण से शहर के ब्यस्त यातायात को तेज, स्मूथ और सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। शहरवासी इनके निर्माण की मांग लंबे समय से कर रहे थे। लोक निर्माण विभाग ने शहर के बीच जी.ई. रोड पर गुरू तेज बहादुर उद्यान से तेलीबांधा के नेताजी सुभाष चौक तक फ्लाईओवर के लिए 172 करोड़ 86 लाख 28 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। रायपुर के रिंग रोड क्रमांक-2 में सोनडोंगरी चौक पर ओवरपास के लिए 43 करोड़ 89 लाख 17 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। विभाग ने रायपुर में वी.आई.पी. रोड के फुंडहर चौक में ओवरपास के निर्माण के लिए 56 करोड़ सात लाख 35 हजार रुपए की स्वीकृति दी है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के बाद सामुदायिक पावर हाउस के रूप में जाने जाएंगे सिद्दी पहलवान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 'प्रतिभा को किसी परिचय की जरूरत नहीं होती'- यह कहावत 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स- 2026' में सच साबित हुई, जहां कर्नाटक के 'सिद्दी समुदाय' के पहलवानों ने मैट पर अपनी जबरदस्त छाप छोड़ी है। उनकी यह सफलता अब सिर्फ़ पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समुदाय के कुश्ती के क्षेत्र में एक ताकत के तौर पर उभरने का प्रतीक है। अफ़्रीकी मूल के भारत में लगभग 50,000 सिद्दी लोग रहते हैं, जिनमें से एक-तिहाई कर्नाटक में निवास करते हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में कर्नाटक के 9 पहलवानों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 4 सिद्दी समुदाय से थे। इन चार पहलवानों में से तीन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि एक को रजत पदक मिला। स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवानों में मनीषा जुआवा सिद्दी (76 किग्रा), रोहन एम डोड़ामणि

(ग्रीको रोमन 60 किग्रा) और प्रिंसिता पेदरू फर्नांडिस सिद्दी (68 किग्रा) शामिल हैं जबकि शालिना सेयर सिद्दी (57 किग्रा) को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इन पहलवानों की सफलता न सिर्फ उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी कहती है, बल्कि कुश्ती जैसे खेलो में सिद्दी समुदाय के बढ़ते वर्चस्व को भी दिखाता है। कर्नाटक के इन चारों पहलवानों का दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में ट्रायल हुआ था और वहां भी ये पहले नंबर पर रहे थे।

सिद्दी समुदाय के प्रदर्शन से कर्नाटक कुश्ती टीम की कोच ममता बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

ममता ने कहा, ''जैसे हमारे देश में कुश्ती में हरियाणा का दबदबा है तो ठीक वैसे ही हमारे राज्य में अहलियाल क्षेत्र का कुश्ती में वर्चस्व रहता है। राज्य में डिपार्टमेंट ऑफ यूथ एंड डेवलपमेंट एंड सेंटर मुख्य रूप से इन्हीं सिद्दी समुदाय के लिए है। इनके बच्चे यहीं पर ट्रेनिंग करते हैं। पिछले कुछ समय से इस समुदाय के लोगों के अंदर कुश्ती का क्रेज बढ़ा है और वे अब अपने बच्चों को कुश्ती में भेजने लगे हैं। उत्तरी कर्नाटक के धारवाड़ जिले से आने वाले पुरुष पहलवान रोहन एम. डोड़ामणि भी इसी समुदाय से आते हैं। डोड़ामणि की मां सरकारी स्कूल में खाना पकाती हैं जबकि पिता का छह साल पहले ही देहांत हो चुका है।

रोहन ने कहा, 'सिद्दी समुदाय के अंदर समय-समय पर छोटे दंगल होते रहते हैं और जो इनमें जीतता है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाता है।

माओवाद के अंत के साथ बस्तर क्षेत्र में अब विकास को मिलेगी नई दिशा

1.20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन मंत्री केदार कश्यप ने कोंडागांव के सुदूर अंचल स्थित ग्राम केजंग पहुंचे और क्षेत्रवासियों को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए के 11 विकास कार्यों की सौगात दी।

उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़क, भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं सड़कों, पुलों, जल संरक्षण के कार्य और सामुदायिक भवनों का निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण अंचल में आवागमन को आसान बनाना, कृषि को मजबूती देना और ग्रामीण जीवनस्तर में सुधार लाना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार आम नागरिकों के हित में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में माओवाद से प्रभावित रहा है, किन्तु पूरा छत्तीसगढ़ माओवाद के

प्रभाव से मुक्त हो गया है और अब बस्तर संभाग भयमुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ेगा और अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार मिलेगा।

विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किए गए कार्यों में ग्राम पंचायत कुधूर में 1 किमी मुरमीकरण कार्य (मांझानार से साहूपारा प्रतीक घर तक) लागत 19 लाख रुपए, तरईपारा से पंडेला घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत कोरमेल के पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत जोडेंगा में सांस्कृतिक भवन से कमलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पदनार में प्राथमिक शाला भवन से समलू घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत पुसपाल में नीचेपारा में कुलधर घर से सुधीर यादव घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए, ग्राम पंचायत मड़ागांव में सांस्कृतिक भवन से पीलाराम घर तक सीसी सड़क निर्माण लागत 9.60 लाख रुपए के कार्य शामिल हैं।

छग प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने की बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि में बढ़ोत्तरी की मांग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने आरटीई के तहत प्रवेश पाने वाले बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि में वृद्धि की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि, 14 साल से आरटीई के बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि में किसी तरह की कोई वृद्धि नहीं की गई है। साल 2011 से सरकार से आरटीई

के बच्चों की प्रतिपूर्ति राशि मात्र 7000 रुपये मिल रही है जो बहुत कम है। दूसरे राज्यों में यह राशि ज्यादा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 1 मार्च 2026 से असहयोग आंदोलन शुरू किया है, इसके तहत सरकार के किसी भी पत्र या नोटिस का जवाब नहीं दिया जा रहा है। अब आने वाले दिनों में लॉटरियों के माध्यम से बच्चों का स्कूलों में प्रवेश दिया जाना भी बंद कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया कि, पिछले 14 साल से शिक्षा के अधिकार कानून के तहत दी जाने वाली राशि में किसी तरह की कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसका विरोध प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट कर रहा है। साल 2011 में जितने भी प्राइवेट स्कूल में आरटीई के बच्चे एडमिशन लिए उन्हें कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक 7 हजार रुपये दिए गए। छठवीं से आठवीं तक साढ़े सात हजार रुपये तय किए गए थे। इसी प्रतिपूर्ति राशि को बढ़ाने के लिए हम 14 साल से संघर्ष कर रहे हैं। जुलाई 2025 में हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई 19 सितंबर 2025 को आई जिसमें कोर्ट ने कहा कि, 6 महीने के अंदर प्राइवेट स्कूल के आवेदन पर विचार किया जाए और इनकी प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाई जाए।

उन्होंने बताया कि, हाईकोर्ट के निर्णय के बाद भी शासन प्रशासन ने कोई निर्णय नहीं लिया। इसलिए मजबूरन छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 1 मार्च 2026 से असहयोग आंदोलन की शुरुआत की है। इस आंदोलन के तहत शासन प्रशासन के द्वारा किसी भी तरह के पत्र और नोटिस का जवाब नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही किसी भी कार्यक्रम में स्कूल बस की मांग की जाती है तो हम बस देने से इनकार कर रहे हैं। लिहाजा शासन अब दबाव बना रहा है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने रजत जयंती उद्यान को जनसेवा में किया समर्पित

वार्ड क्र. 38 लालघाट चेकपोस्ट के नागरिकों को मिली सर्वसुविधायुक्त उद्यान की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने रजत जयंती उद्यान को जनसेवा के लिए समर्पित किया। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 38 लालघाट चेकपास्ट बस्ती के रहवासियों को आज एक सर्वसुविधायुक्त उद्यान की सौगात प्राप्त हुई है। इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत, मेयर इन काउंसिल सदस्य हितानंद अग्रवाल, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, पार्षद चेतन सिंह मैत्री, सत्येन्द्र दुबे, मुकुंद सिंह कंवर, मंगल बंदे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बालको जोनांतर्गत वार्ड क्र. 38 लालघाट के चेकपोस्ट बस्ती मुख्य मार्ग में 21 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त उद्यान का निर्माण कार्य कराया गया है, छत्तीसगढ़ गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2025 से मनाये जा रहे रजत जयंती समारोह

के तहत उक्त उद्यान का नामकरण रजत जयंती उद्यान किया गया है।

इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी ने 25 वर्ष पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था। राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस उद्यान का नाम भी रजत जयंती उद्यान रखा गया, मुझे खुशी है कि आज यह सर्वसुविधायुक्त उद्यान जनताजनार्दन की सेवा हेतु समर्पित किया गया है।

उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ को हमारी सरकार ने ही बनाया था और अब हमारी सरकार ही छत्तीसगढ़ को संवार रही है। 15 वर्षो तक डॉ. रमन सिंह जी प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे तथा प्रदेश का ऐतिहासिक रूप से विकास किया, अब उन्हीं की तर्ज पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में प्रदेश सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है, यह हमारा सौभाग्य है कि जनताजनार्दन के आशीर्वाद से देश-प्रदेश व कोरबा मे ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार द्वारा दर्जनों जनकल्याणकारी योजनायें संचालित कर गरीब, मजदूर, किसान, युवा, महिला सहित समाज के सभी वर्गो के जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा रहा है। इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बनाये गये रजत जयंती उद्यान की यह सौगात आज लालघाट चेकपोस्ट बस्ती के नागरिक बंधुओं को प्राप्त हुई है।

जिसके लिये मैं उन्हें हृदय से बधाई देती हूँ। उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा नगर निगम क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है, आमजनता की समस्याएं प्राथमिकता के साथ दूर की जा रही है, विगत 01 वर्ष के दौरान नगर निगम कोरबा ने अनेक उपलब्धियॉं अर्जित की है, बर्षो की समस्यायें दूर की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा